दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

n वर्ष : 11 अंक : 119 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, मंगलवार 19 मई, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 पेज 8+ St

प्रदेश की जनता के 'लाल' भजन लाल : मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम में फरियादियों का जीत लिया दिल

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आए लोग मुख्यमंत्री का सरल, सहज और संजीदा व्यवहार देखकर हुए प्रभावित, शिकायतों के निस्तारण से भी फरियादी हुए संतुष्ट

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इससे पहले भी अगर मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार के दिन जयपुर में रहते हैं तो वे अपने इस निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम का हर हाल में आयोजन करते हैं और लोगों की शिकायत को सुनकर उनका निदान भी करवाते हैं अगर किसी कारणवश मुख्यमंत्री शर्मा जयपुर में नहीं होते तो उनकी जगह मुख्यमंत्री आवास पर नियुक्त अधिकारियों की एक टीम जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन लोगों की शिकायतों का निस्तारण करवाते है। सोमवार को सप्ताह के पहले दिन मुख्यमंत्री शर्मा जयपुर में ही थे इसलिए उन्होंने सुबह-सुबह मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पानी, बिजली, सड़क, राजस्व, नगर निकाय, चिकित्सा इत्यादि सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे इस जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए लोगों ने अपनी उपस्थिति दिखाई और अपनी पीड़ा और शिकायत को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा और इन शिकायतों के निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री शर्मा ने तुरंत ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए । अधिकारियों ने भी जिन शिकायतों का तुरंत निस्तारण हो सकता था उनका तुरंत निस्तारण किया और जिन शिकायतों का तुरंत निस्तारण नहीं हो सकता था उनके बारे में संबंधित पीड़ित लोगों को जल्दी ही शिकायत का निस्तारण करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा जो शिकायत कोर्ट की प्रक्रिया से जुड़ी हैं उनके बारे में लोगों को कहा कि इस तरह की शिकायतों का निस्तारण कोर्ट की प्रक्रिया के कंप्लीट होने से ही हो सकता है । कुल मिलाकर सोमवार को जितने भी लोग मुख्यमंत्री आवास पर अपनी शिकायत लेकर पहुंचे थे वह सभी लोग मुख्यमंत्री के सहज, सहज और संजीदा व्यवहार देखकर काफी प्रभावित हुए। लोगों ने पत्रकार से बातचीत के दौरान भी कहा कि मुख्यमंत्री उनसे ऐसे मिल रहे थे जैसे वे उनके परिवार के ही सदस्य हो इसलिए मुख्यमंत्री से मिलते समय और उन्हें अपनी शिकायत बताने में उन्हें किसी भी तरह की कोई घबराहट नहीं हुई और उन्होंने खुलकर अपनी शिकायत बताई और मुख्यमंत्री ने भी बाकायदा प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति की शिकायत को ध्यानपूर्वक सुना और उसके निस्तारण के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित किया ।

मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई का यह कार्यक्रम लंबे समय से संपादित हो रहा है । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा खुद व्यक्तिगत रूप से सप्ताह में निर्धारित दिन जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन करते ही हैं इसके अलावा उन्होंने अपने मंत्रियों को भी जयपुर के सरकारी आवास पर और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में भी जनसुनवाई कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए हुए हैं जिसके फलस्वरूप राज्य मंत्रिमंडल के सभी सदस्य मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपने सरकारी आवास और अपने निर्वाचन क्षेत्र में निर्धारित दिन पर जनसुनवाई कार्यक्रम का हर हाल में आयोजन करते हैं । मुख्यमंत्री शर्मा प्रदेश के विकास को लेकर तो संवेदनशील रहते ही हैं साथ-साथ प्रदेश के लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिए भी शुरू से ही काफी संवेदनशील रहे हैं। मुख्यमंत्री शर्मा की कोशिश यही रहती है कि चाहे शहर हो या फिर गांव प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का निस्तारण करवाना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है इसलिए उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों के अलावा जिला कलेक्टर और प्रशासन से जुड़े छोटे-बड़े सभी अधिकारियों को भी साफ निर्देशित किया है कि वह अपने दफ्तर में भी नियमित रूप से जनसुनवाई कार्यक्रमों का आयोजन करने के साथ-साथ गांव और शहरों में भी जाकर जनसुनवाई कार्यक्रमों का ज्यादा से ज्यादा आयोजन करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण करें इसके साथ-साथ सरकार की ओर से संपादित की जाने वाली योजनाओं के बारे में भी लोगों को इन जनसुनवाई कार्यक्रम में ही गंभीरता से बताएं ताकि जो लोग सरकार की योजनाओं से अनभिज्ञ हैं वे लोग भी सरकार की योजनाओं का फायदा उठा सके ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सचिवालय में स्थित संपर्क पोर्टल को लेकर भी नियमित रूप से अपडेट लेते रहते हैं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के लोगों की समस्याओं के निस्तारण को लेकर इतने गंभीर है कि वह नियमित रूप से शासन सचिवालय में स्थित संपर्क पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का भी फीडबैक लेते हैं और कई बार मुख्यमंत्री शर्मा संपर्क पोर्टल के दफ्तर में भी जाकर लोगों से सीधा बातचीत करके उनकी समस्याओं को सुनते हैं और समस्याओं के निस्तारण का प्रयास भी करते हैं साथ-साथ संपर्क पोर्टल पर आने वाली समस्याओं को संबंधित विभाग गंभीरता से लेता है या नहीं इसके बारे में नियमित रूप से संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क पोर्टल की गतिविधियों के बारे में भी जानकारी लेते रहते हैं । इसके अलावा मुख्यमंत्री शर्मा ने शासन सचिवालय में स्थित विभिन्न विभागों के बड़े अधिकारियों को भी महीने में एक बार संपर्क पोर्टल में जाकर लोगों की शिकायतों को सुनने को कहा है जिसके बाद विभिन्न सरकारी विभागों के बड़े अधिकारी भी समय-समय पर संपर्क पोर्टल के दफ्तर में जाकर लोगों की शिकायतों को सुनते हैं और उनका निस्तारण करवाने का प्रयास भी करते हैं ।

मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम में आने वाली शिकायतों का भी लगातार लेते रहते हैं फीडबैक

जनसुनवाई कार्यक्रम सिर्फ रूटीन की प्रक्रिया ही बनकर नहीं रह जाए और यह सिर्फ कागजी प्रक्रिया ही बनकर नहीं रह जाए इसलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आई शिकायतों का लगातार फीडबैक लेते रहते हैं किस दिन कितनी शिकायत आई और किस विभाग की कितनी शिकायतें थी तथा कितनी शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ, कितनी शिकायतों का निस्तारण होना बचा है और कितनी शिकायतों का कोर्ट की वजह से निस्तारण नहीं हो पाया इन सब के बारे में मुख्यमंत्री शर्मा लगातार संबंधित विभाग के अधिकारियों के अलावा अपने मुख्यमंत्री आवास पर तैनात अधिकारियों से भी शिकायतों के बारे में लगातार फीडबैक लेते रहते हैं इसलिए मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम में आने वाली प्रत्येक शिकायत का निस्तारण हो इसके लिए मुख्यमंत्री शर्मा पूरी तरह से संकल्पित नजर आए ।

भजनलाल शर्मा का खिलाड़ियों को बड़ा तोहफा, पदक विजेताओं को नौकरियों के अलावा कई बड़े ऐलान किया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश में पिछले सवा दो साल में भजनलाल सरकार की नीतियों और घोषणाओं से प्रदेश में खेलों का बहुत अच्छा माहौल तैयार हुआ है पिछले दो साल में प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में पदक भी जीते हैं सरकार लगातार खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए सतत रूप से कार्य भी कर रही है इसी क्रम में वर्ष 2028 में आयोजित ओलंपिक खेलों में राजस्थान के खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा पदक जीते हैं और अच्छा प्रदर्शन करके पूरे देश में और दुनिया में अपना दम दिखाएं इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न खेलों में होनहार खिलाड़ियों को अच्छा प्लेटफार्म उपलब्ध करवाने के लिए बड़ी घोषणा की है जिसमें 186 पदक विजेताओं को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की गई है इसके अलावा विभिन्न खेलों में 50 टैलेंटेड खिलाड़ियों को चयन किया जाएगा और फिर उन्हें प्रति महीने 25000 रुपए का विशेष अलाउंस देकर उन्हें अपने खेल पर पूरा ध्यान देने को कहा है, इसके अलावा उनके खेल में और सुधार हो इसके लिए सरकार उनके प्रशिक्षण पर भी पूरा ध्यान दे रही है। जानकार लोगों का कहना है कि राजस्थान खेलों में अपने पड़ोसी राज्य हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से सालों से काफी पीछे रहा है जबकि राजस्थान के युवा काफी होनहार और

क्रियाशील तथा गतिशील रहते हैं लेकिन उन्हें स्कूल कॉलेज स्तर पर खेलों में अच्छा प्लेटफार्म नहीं मिलने की वजह से उनकी प्रतिभा उजागर नहीं हो पाती । गांव में विभिन्न खेलों में कई होनहार और प्रतिभाशाली खिलाड़ी होते हैं लेकिन उनके बारे में सरकार तक जानकारी नहीं पहुंच पाती है इसके अलावा पूर्व में राजस्थान में विभिन्न खेलों में ग्राउंड, प्रशिक्षक, संसाधन इत्यादि की भी कमी रहती है जिसकी वजह से खिलाड़ियों की प्रतिभा निखर कर सामने नहीं आ पाती है लेकिन प्रदेश में पिछले सवा दो साल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया और खेल और खिलाड़ियों के विकास और कल्याण के लिए बजट में भी कई तरह की विशेष घोषणाएं की इन घोषणाओं का ठीक तरह से क्रियान्वयन भी हो रहा है। इसके अलावा भी सरकार समय-समय पर प्रदेश में खेलों का माहौल तैयार करने के लिए कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन भी करती रही है जिसकी वजह से शहर और ग्रामीण स्तर पर विभिन्न खेलों में बड़ी-बड़ी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हुआ जिसमें बड़ी संख्या में छुपे हुए होनहार खिलाड़ियों की प्रतिभा सरकार तक और खेल जगत से जुड़े बड़े लोगों तक पहुंची है इसीलिए सरकार खेल और खिलाड़ियों का स्तर सुधारने के लिए अब पूरी तरह से सतत प्रयास कर रही है खेल के ग्राउंड, प्रशिक्षण और खिलाड़ियों की डाइट तथा संसाधन सभी पर सरकार का पूरा फोकस है इसके अलावा स्कूल कॉलेज और यूनिवर्सिटी स्तर पर भी ज्यादा से ज्यादा खेल की प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाना सुनिश्चित किया हुआ है पिछले सवा दो साल में भजनलाल सरकार के अथक प्रयासों की वजह से ही प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों का बहुत अच्छा माहौल बना है इसकी वजह से राजस्थान के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन भी कर रहे हैं पिछले सवा दो साल में राजस्थान के खिलाड़ियों ने बड़ी-बड़ी प्रतियोगिताओं में पदक भी जीता है अब 2028 में ओलंपिक गेम्स पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नजर टिकी हुई है मुख्यमंत्री शर्मा चाहते हैं कि इस ओलंपिक गेम्स में राजस्थान के खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करें इसीलिए उन्होंने एक बार फिर से खिलाड़ियों के लिए बड़ी सौगातो की घोषणा की ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शादी की सालगिरह पर धर्मपत्नी के साथ गोविंद देव जी के दरबार में पहुंचे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की शादी की सालगिरह थी इसलिए उन्होंने अपनी शादी की सालगिरह बहुत ही सादगी पूर्वक तरीके से मनाई और जयपुर के आराध्य गोविंद देव जी के मंदिर में अपनी धर्मपत्नी के साथ संध्या आरती में शामिल हुए । मंदिर के पुजारी ने उनसे पूजा अर्चना करवाई इस मौके पर मंदिर प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी धर्मपत्नी को दुपट्टा ओढ़ा कर सम्मानित किया, मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री शर्मा को देखने के लिए लोग काफी आतुर दिखे मुख्यमंत्री शर्मा ने भी मंदिर में आए भक्तों से सुरक्षा प्रोटोकॉल को तोड़कर बातचीत की और बातचीत के दौरान उन्होंने सरकार की योजनाओं के बारे में भी चर्चा की और लोगों से अच्छी योजनाओं के लिए सुझाव भी लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेट्रोल डीजल की बचत करने की अपील को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा काफी गंभीरता से ले रहे हैं । सोमवार को भी मुख्यमंत्री शर्मा इलेक्ट्रिक गाड़ी में सवार होकर गोविंद देव जी के मंदिर

में पहुंचे मुख्यमंत्री शर्मा का यह सरल सहज अंदाज देखकर लोग उनसे काफी प्रभावित दिखे मंदिर परिसर में लोगों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा की बॉडी लैंग्वेज और हाव-भाव बिल्कुल एक साधारण भक्त की तरह नजर आ रहा था। हालांकि सोमवार को उनकी शादी की सालगिरह जरूर थी इसलिए उनके चेहरे पर मुस्कान का होना लाजमी था लेकिन वैसे भी मुख्यमंत्री शर्मा जब भी लोगों से मिलते हैं मुस्कुराते हुए और बड़े ही आत्म भाव से मिलते हैं इसी तरह की मुलाकात उन्होंने सोमवार को गोविंद देव जी मंदिर परिसर में भी लोगों से की, वैसे मुख्यमंत्री शर्मा शुरू से ही काफी धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति रहे हैं बचपन से ही घर में पूजा पाठ का माहौल था इसलिए धार्मिक प्रवृत्ति कि यह भावना बचपन से ही उनके दिल और दिमाग में बस गई थी इसलिए दैनिक पूजा पाठ उनकी दिनचर्या में शुरू से ही शामिल रहा है, गिरिराज जी महाराज के तो तो अनन्य भक्त हैं और समय-समय पर गिरिराज जी महाराज के दर्शन करने अब भी नियमित रूप से जाते रहते हैं इसके अलावा जब भी मौका मिलता है प्रदेश में मंदिरों में दर्शन करने जरूर जाते हैं और प्रदेश की खुशहाली और प्रदेश के लोगों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी करते नजर आए हैं इसके अलावा गौशाला नंदी शाला में भी नियमित रूप से जाते रहे हैं और अपने हाथों से गाय को चारा खिलाते भी कई बार नजर आए हैं घर में जब कोई खुशी का दिन होता है उस दिन भी सबसे पहले मंदिर में दर्शन करने को प्राथमिकता देते हैं ।

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
19 मई, 2026

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान 25 मई से होगा प्रारंभ

कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान अंतर्गत कार्यों का होगा अवलोकन एवं नई स्वीकृतियां जारी

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। जिला कलक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला कलेक्टर ने बताया कि 25 मई से जिले में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान प्रारंभ किया जाएगा, जिसे जनआंदोलन का स्वरूप देते हुए व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। अभियान के तहत जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन संबंधी गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय स्तर तक कार्ययोजना बनाकर गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान श्रमदान, स्वच्छता गतिविधियां, पौधारोपण, जल स्रोतों की सफाई, प्रभात फेरियां, जागरूकता रैलियां एवं सामाजिक सहभागिता आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही स्वयंसेवी संगठनों, शिक्षण संस्थानों, युवा समूहों एवं आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। जिला कलेक्टर ने बताया कि जल संसाधन विभाग द्वारा जल स्रोतों की साफ-सफाई, जल उपयोगिता कार्यक्रम, जल शक्ति अभियान 'कैच द रेन' अंतर्गत गतिविधियां, नए कार्यों का शिलान्यास, भूमि पूजन एवं पूर्ण कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। अभियान के तहत वंदे गंगा प्रभात फेरी, कलश यात्रा, पीपल पूजन, पौधारोपण, नुक्कड़ नाटक, संकल्प कार्यक्रम एवं अमृत सरोवर पूजन जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी। उन्होंने बताया कि 'हरियालो राजस्थान' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारी, चारागाह चिन्हिकरण तथा 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत कार्यों का अवलोकन एवं नवीन स्वीकृतियां जारी की जाएंगी। 26 मई को जिले में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन होगा, जिनमें नवीन कार्यों के अनुमोदन के साथ ग्रामीणों को अभियान का संकल्प दिलाया जाएगा। अभियान के दौरान गौशालाओं, पशु चिकित्सालयों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, कृषि उपज मंडियों, सार्वजनिक स्थलों एवं पेयजल स्रोतों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जल परीक्षण अभियान संचालित किया जाएगा। साथ ही प्राचीन तालाबों, जोहड़ों, सोख्ता गड्ढों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई तथा जल स्रोतों की मैपिंग का कार्य भी किया जाएगा। कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा स्प्रिंकलर, ड्रिप, फार्म पॉन्ड एवं पाइपलाइन संबंधी स्वीकृतियां जारी की जाएंगी। बैठक में जिला कलेक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कोई भी प्रकरण 30 दिन से अधिक लंबित नहीं रहे तथा सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने डिजिटल जनगणना के सफल संचालन हेतु हाउस लेवल नंबरिंग कार्य शुरू होने के तीन दिवस में पूर्ण करने की समय सीमा निर्धारित करते हुए आमजन एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने लंबित पेंशन सत्यापन प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ग्राम रथ सुझाव पत्रिका का डाटा गूगल शीट पर अपलोड कर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सीएलएफ बिल्डिंग चिन्हिकरण, चंबल प्रोजेक्ट भूमि आवंटन कार्य तथा विभिन्न बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त लंबित पेंशन प्रकरण निष्पादन समिति की बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों को लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, उप पुलिस अधीक्षक लालचंद, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी ओमप्रकाश किराड, एसीएफ वन विभाग संजय चौधरी, संयुक्त निदेशक वीरेंद्र त्यागी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट, समाज कल्याण अधिकारी रमेश दहमीवाल, सहायक निदेशक वेद प्रकाश सैनी, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, जिला रसद अधिकारी राकेश सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दवा विक्रेताओं की विभिन्न मांगों को लेकर कल मेडिकल स्टोर बंद

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। देशभर के कैमिस्टों की विभिन्न मांगों के समर्थन में 20 मई बुधवार को पूरे देश के लगभग 12.50 लाख दवा विक्रेता अपना कारोबार बंद रखेंगे। इसी क्रम में अलवर जिले के करीब 2500 दवा विक्रेता भी अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर आंदोलन में शामिल होंगे। अखिल भारतीय कैमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर राजस्थान कैमिस्ट एलाईन्स के प्रदेशाध्यक्ष अरविन्द गुप्ता के नेतृत्व में यह बंद आयोजित किया जा रहा है। अलवर जिला कैमिस्ट एसोसिएशन के महासचिव सुरेश कुकरेजा के नेतृत्व में सोमवार को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में ऑनलाइन दवाओं की बिक्री बंद करने, कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा दिए जा रहे भारी डिस्काउंट पर रोक लगाने तथा नकली दवाओं के बढ़ते कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की गई। जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखण्ड अधिकारी माधव भारद्वाज को ज्ञापन देते हुए प्रतिनिधियों ने कहा कि दवा विक्रेता मरीजों एवं उनके परिजनों की हर संभव सहायता करते हैं। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर दवा कारोबार से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में रोबिन अरोड़ा, संजय गुप्ता, मनीष झालानी, राजेश गुप्ता एवं प्रदीप तायल शामिल रहे।

वन राज्यमंत्री ने जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना

परिवेदनाओं के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने अपने निवास स्थान 201 रघुमार्ग पर जनसुनवाई में आमजन की परिवेदनाओं को सुन कर त्वरित निराकरण हेतु अधिकरियों को निर्देशित किया। वन राज्यमंत्री शर्मा ने जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने जनसुनवाई में आए पेयजल, विद्युत, सडक, साफ-सफाई आदि की परिवेदनाएं लेकर आए फरियादियों की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि फरियादियों की समस्याओं का निराकरण होने पर उन्हें सूचित कर उनके संतुष्टि स्तर में वृद्धि करें। उन्होंने निर्देश दिये कि आमजन की मूलभूत समस्याओं की प्राथमिकता से सुनवाई करें। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा आमजन के कल्याण हेतु संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का जागरूक रहकर लाभ उठाने एवं अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों को भी योजनाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें लाभांवित कराने में सहयोग करने का आह्वान किया।

बाघिन एवं उसके शावकों के वन क्षेत्र में विचरण करने के दृष्टिगत नागरिक अलवर बफर वन क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश नहीं करें

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। डीएफओ सरिस्का अभिमन्यु सहारण ने बताया कि बाघ परियोजना सरिस्का के अलवर बफर वन क्षेत्र में 11 बाघ-बाघिन का विचरण बना हुआ है। बाघिन एसटी-19 अपने चार शावकों के साथ बारा लिवारी, श्योदानपुरा, फायरिंग रेंज, जम्मुशाना एवं बाघिन एसटी-2302 अपने दो शावकों के साथ बाला किला, अंधेरी चौड की होदी, किशनकुंड नाला, जयविलास एवं आसपास के वन क्षेत्रों में विचरण कर रही है। इन क्षेत्रों में पैदल घूमना, ट्रेकिंग करना जानलेवा है तथा बाघिन अपने शावकों की सुरक्षा के मध्यनजजर अत्यधिक हिंसक रहती है, जिससे कभी कोई अप्रिय घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है। अतः सभी शहरवासियों, ट्रेकर्स अथवा पैदल भ्रमण हेतु जाने वाले नागरिकों से अपील की जाती है कि वे वन क्षेत्रों में किसी प्रकार से अवैध रूप से प्रवेश ना करें। साथ ही राज्य सरकार एवं वन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की पालना करें।

ग्रीष्मकालीन महिला प्रशिक्षण एवं बाल संस्कार शिविर के लिए उमड़ा उत्साह

भारत विकास परिषद् द्वारा आयोजित शिविर हेतु बम्पर रजिस्ट्रेशन, आज भी होंगे पंजीयन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। भारत विकास परिषद् अलवर एवं भारत विकास परिषद् अलवर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन महिला प्रशिक्षण शिविर एवं बाल संस्कार शिविर के लिए सोमवार को बम्पर रजिस्ट्रेशन दर्ज किए गए। परिषद् द्वारा शिविर का आयोजन 20 मई से ओसवाल स्कूल शिक्षण समिति परिसर, मोनिया बाबा की प्याऊ के पास, अग्रवाल धर्मशाला के सामने किया जाएगा।

शाखा अध्यक्ष गिरीश गुप्ता ने बताया कि शिविर का शुभारंभ 20 मई को शाम 6 बजे होगा, जबकि 21 मई से 29 मई तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से 6:30 बजे तक विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियां संचालित की जाएंगी। शिविर के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शिविर के लिए सोमवार को आयोजित पंजीयन प्रक्रिया में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रजिस्ट्रेशन के दौरान अध्यक्ष गिरीश गुप्ता, सचिव अशोक कुमार गुप्ता, महिला सहभागिता संयोजक शोभा अग्रवाल, सह-संयोजक नीना सोनी, हेमलता अग्रवाल, सुनीता बंसल, संस्कार संयोजक राधारमन सोनी, हेमेन्द्र अग्रवाल एवं रुपेश कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। महिला सहभागिता संयोजक शोभा अग्रवाल ने बताया कि शिविर के लिए 19 मई को भी शाम 5 बजे से 6:30 बजे तक ओसवाल स्कूल में रजिस्ट्रेशन किए जाएंगे। शिविर में नृत्य जूनियर एवं सीनियर वर्ग, महिला नृत्य, कत्थक, मेहंदी, ढोलक, योगासन, कैलीग्राफी, ब्यूटिशियन, सिलाई, ड्राइंग एवं पेंटिंग, कुकिंग, आर्ट एण्ड क्राफ्ट तथा जुडो-कराटे जैसी विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक विधा का पंजीयन शुल्क 50 रुपये तथा कुकिंग प्रशिक्षण का शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है।

भारत विकास परिषद शाखा अरावली द्वारा सर्वाइकल कैंसर जागरूकता सेमिनार आयोजित

महिलाओं को वैक्सीनेशन, जांच एवं बचाव के उपायों की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

अलवर। भारत विकास परिषद शाखा अरावली के तत्वावधान में,ॠ्ल अपार्टमेंट, अलवर में 'सर्वाइकल कैंसर एवं सामान्य स्वास्थ्य जागरूकता' विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर परिषद अध्यक्ष सीताराम गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित मातृशक्ति का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए परिषद द्वारा संचालित सेवा एवं संस्कार प्रकल्पों की जानकारी दी।

सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. प्रगति गुप्ता एवं डॉ. नीलम गुप्ता ने महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूक करते हुए बीमारी के कारण, लक्षण, जांच प्रक्रिया एवं बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर वैक्सीनेशन और नियमित जांच से सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव है।

कार्यक्रम में सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन कब और कितनी लगानी चाहिए, इसकी जांच कैसे की जाती है तथा वैक्सीन के फायदे एवं बचाव संबंधी उपायों पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन भी किया गया, जिसमें उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक अपने प्रश्न पूछे और विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उनके समाधान दिए।

सेमिनार में करीब 40 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में परिषद सचिव अणिमा गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

पेट्रोल, डीजल, सीएनजी व दूध के बढ़े दाम वापस लेने की मांग

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और दूध की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में खैरथल-तिजारा महिला कांग्रेस द्वारा सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया गया। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा एवं राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमारी सांगवान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने इंडियन पेट्रोल पंप के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और दूध के बढ़े हुए दाम तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई ने आमजन का जीवन कठिन बना दिया है। रसोई गैस, खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने से हर वर्ग प्रभावित हो रहा है। जिलाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमारी सांगवान ने कहा कि पेट्रोल-डीजल एवं सीएनजी की कीमतों में वृद्धि से परिवहन महंगा हो रहा है, जिसका सीधा असर खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर पड़ रहा है। वहीं दूध जैसी आवश्यक वस्तु के दाम बढ़ने से मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर महंगाई पर नियंत्रण करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि महिला कांग्रेस आमजन से जुड़े मुद्दों पर लगातार संघर्ष करती रहेगी और जनता की आवाज बुलंद करती रहेगी। इस दौरान महिला कांग्रेस की पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

जिला कलक्टर ने किया जनजाति गरिमा उत्सव के तहत 'जन भागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान का शुभारम्भ

जिले में जनजाति गरिमा उत्सव के तहत 25 मई तक आयोजित होंगे शिविर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने जिले में 25 मई तक चलाए जा रहे जनजाति गरिमा उत्सव के तहत 'जन भागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान का जिला स्तर से शुभारम्भ किया।

जिला कलक्टर ने बताया कि जिले के जनजातीय क्षेत्रों में एक स्थान पर आमजन को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने एवं उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जनजाति गरिमा उत्सव के तहत 'जन भागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान की शुरूआत की गई है। उन्होंने बताया कि अलवर जिले की 7 पंचायत समिति राजगढ, रैणी, लक्ष्मणगढ, कठूमर, रामगढ, मालाखेडा एवं थानागाजी के चयनित 142 गांवों, खैरथल-तिजारा जिले की मुण्डावर पंचायत समिति के एक एवं कोटपूतली-बहरोड की नीमराणा पंचायत समिति के 12 गांवों में जनजाति गरिमा उत्सव के तहत 25 मई तक शिविर आयोजित होंगे। इस दौरान आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, सिकल सेल बीमारी की जांच व अन्य स्वास्थ्य संबंधी जांच, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान कार्ड, जनधन खाता, बीमा कवरेज, सामाजिक सुरक्षा (वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन एवं दिव्यांग पेंशन), रोजगार और आजीविका योजनाएं (मनरेगा, पीएम विश्वकर्मा, मुद्रा ऋण), महिला एवं बाल कल्याण से संबंधित योजनाओं का लाभ जनजातीय वर्ग के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही कैम्प के दौरान आदि सेवा केंद्रों पर जनसुनवाई आयोजित की जाकर समस्याओं का निराकरण किया जावेगा। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 19 मई को पंचायत समिति रैणी की ग्राम पंचायत बरैर के लिए गांव बरैर, ग्राम पंचायत टहटडा के लिए गांव टहटडा में, ग्राम पंचायत भूडा के लिए गांव उकेरी एवं ग्राम पंचायत सालोली के लिए गांव बूचपुरी में, पंचायत समिति राजगढ की ग्राम पंचायत तिलवाड के लिए गांव पालपुर एवं ग्राम पंचायत नीमला के लिए गांव रतनपुर में, पंचायत समिति थानागाजी की ग्राम पंचायत मेजोड के लिए गांव मेजोड एवं ग्राम पंचायत झिरी के लिए गांव सांवतसर, पंचायत समिति कठूमर की ग्राम पंचायत टिटपुरी के लिए सदुका नंगला एवं ग्राम पंचायत सहरी के लिए गुण्डवास, पंचायत समिति लक्ष्मणगढ की ग्राम पंचायत खुडियाना के लिए गांव हाजीपुर एवं ग्राम पंचायत टोडानागर के लिए टोडानागर, पंचायत समिति मालाखेडा की ग्राम पंचायत खेडली पिचनोत के लिए गांव अचलपुरी एवं ग्राम पंचायत पाला के लिए गांव खेडला तथा पंचायत समिति रामगढ की ग्राम पंचायत बगडमेव के लिए गांव अग्यारा एवं ग्राम पंचायत मूनपुर के लिए गांव पीपली का बास में शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार 20 मई को पंचायत समिति रैणी की ग्राम पंचायत परबैणी के लिए गांव परबैणी, ग्राम पंचायत भूलेरी के लिए गांव भूलेरी में, ग्राम पंचायत पाटन के लिए गांव ओडपुर एवं ग्राम पंचायत जामडोली के लिए गांव जामडोली में, पंचायत समिति राजगढ की ग्राम पंचायत थाना के लिए गांव खरखडा, ग्राम पंचायत पलवा के लिए गांव डाबला मीना, ग्राम पंचायत सुरेर के लिए गांव सुरेर एवं ग्राम पंचायत भजेडा के लिए गांव भजेडा में, पंचायत समिति थानागाजी की ग्राम पंचायत भीकमपुरा के लिए गांव गोपालपुरा एवं ग्राम पंचायत क्यारा के लिए गांव क्यारा, पंचायत समिति कठूमर की ग्राम पंचायत भनोखर के लिए भनोखर एवं ग्राम पंचायत रोनीजाथान के लिए गांव मान्या का बास, पंचायत समिति लक्ष्मणगढ की ग्राम पंचायत खोहरा मलावली के लिए गांव खोहरा मलावली एवं ग्राम पंचायत रसूलपुर के लिए रसूलपुर, पंचायत समिति रामगढ की ग्राम पंचायत सैंथली के लिए गांव नयाबास में शिविर आयोजित होंगे।

एकल अभियान के 15 दिवसीय नव चैतन्य वर्ग का हुआ उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

अलवर।(निसं.) शिक्षित संस्कृत व समृद्ध भारत की संकल्पना के साथ कार्य कर रहे एकल अभियान की अंचल समिति के 15 दिवसीय नव चेतना वर्ग का आज विधिवत उद्घाटन हुआ।

स्कीम 2 लाजपत नगर स्थित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय में ये वर्ग आयोजित हो रहा है संघ विभाग संघ चालक डॉ के के गुप्ता सहित महंत सुमेर गिरी जी महाराज, विजेंद्र खंडेलवाल, बृजमोहन पाठक, रमाकांत कौशिक ने सांय 5 बजे विधिनुसार दीप प्रज्ज्वलन कर इस वर्ग का उद्घाटन किया।

उद्घाटन सत्र में वर्ग मुख्य शिक्षक नन्द कुमार ने वर्ग की प्रस्तावन अपार प्रकाश ड़ालते हुए बताया की 15 दिवस में कुल 135 सत्रों के जरिये प्रदेश के 25 के लगभग महिला व पुरुषो को सँस्कारित बनाया जायेगा।

एकल के संगठन मंत्री राम दयाल ने बताया की किन परिस्थितियों में एकल श्रीहरी संगठन की स्थापना 1989 में झारखण्ड के धनबाद से हुई।एकल के जिला मंत्री गिरधारी मिश्रा ने मंच पर उपस्थित समस्त पदाधिकारियों का परिचय कराया साथ ही वर्ग संयोजक व संगठन के युवा प्रभारी सौरभ कालरा ने आगंतुक सभी गणमान्यो को बौद्धिक विचारों सहित शारीरिक विचार, योग विचार सहित अन्य बिन्दुओ पर समय समय पर आकर वर्ग में उपस्थिति देने हेतु आमंत्रित किया।

अंत में संगठन के मुकेश अग्रवाल व पवन गोयल ने सभी का धन्यवाद प्रेषित किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत बडाबर प.स. सुजानगढ़ (चुरू)

क्रमांक ग्रापब / 2026-27/17 दिनांक 18/05/2025

आपत्ति नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बडाबर पंचायत समिति सुजानगढ़ द्वारा निम्नाकिंत प्रार्थियों के कब्जासुदा भूमि के आवासीय पट्टे जारी किये जा रहे हैं । इस संबंध में किसी भी निकट पड़ोसीए रिश्तेदार, भाई बंधु को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो ग्राम पंचायत में स्वयं उपस्थित होकर या रजिस्टर डाक द्वारा आपत्ति आगामी 30 दिवस में दर्ज करवा सकता है। मियाद समय पुरा होने के उपरांत किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

ग्रामम विकास अधिकारी.
ग्राम पंचायत बडाबर
प.स. सुजानगढ़ (चुरू)

क्र.स	आवेदक का नाम	पिता/पति का नाम	जाति	ग्राम
1.	जयपाल नाई	रतन राम नाई	नाई	जिन्दरासर
2.	मनोज कुल्हरी	नोपराम	जाट	जिन्दरासर
3.	छोटाराम	पुसाराम	जाट	जिन्दरासर
4.	छगन लाल	हणमानाराम नाई	नाई	जिन्दरासर
5.	प्रहलाद	परमाराम	जाट	जिन्दरासर
6.	गणपत राम	कुशलाराम	मेघवाल	बडाबर
7.	प्रकाश चंद	राजकुमार	गिंवारिय	बडाबर
8.	भैराराम	रूपाराम	बावरी	बडाबर
9.	केशरराम	धन्नाराम	वाल्मिकी	बडाबर

प्रशासक
ग्राम पंचायत बडाबर
प.स. सुजानगढ़ (चुरू)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अच्छे सारथी बने हैं अखिल अरोड़ा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में शायद ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया जब कोई बड़ा अधिकारी अपनी माता का अंतिम संस्कार करने के तुरंत बाद अपने दफ्तर आया हो, फिर सरकारी कामकाज निपटाया हो लेकिन सीनियर आईएएस अधिकारी अखिल अरोड़ा वर्ष 2022 में फरवरी माह में अपनी माता का अंतिम संस्कार करने के तुरंत बाद शासन सचिवालय पहुंचे और वहां अपने दफ्तर में सरकार के बजट तैयार करने की प्रक्रिया में बड़ी भूमिका निभाई, अरोड़ा की यह कर्तव्यपरायणता की अनूठी मिसाल आज भी शासन सचिवालय के गरियारों में अक्सर सुनने को मिल जाती है, अरोड़ा का अपनी लंबी सरकारी सर्विस में अपने कर्तव्य और दायित्वों को प्रति इतने समर्पित भाव से जुड़े रहना उन्हें एक ऐसे अलग अधिकारी की श्रेणी में स्थापित किया हुआ है जिन्हें हर पार्टी की सरकार ने पूरा सम्मान, इज्जत और और जनता से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी दी ताकि प्रदेश की जनता का भी भला हो और सरकार का विजन तथा संकल्प भी पूरा हो, अरोड़ा का फाइनेंशियल मैनेजमेंट का तरीका और आइडिया काफी बेजोड़ है। उन्हें वित्त प्रबंधन का मास्टरमाइंड माना जाता है इसीलिए प्रदेश में उनकी देखरेख में सबसे ज्यादा बार राजस्थान सरकार का बजट तैयार किया गया और विधानसभा में प्रस्तुत भी हुआ, अरोड़ा की देखरेख में छह बार राजस्थान विधानसभा का बजट तैयार हुआ जिसमें चार बार कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय और दो बार वर्तमान भजनलाल सरकार के समय अरोड़ा की ओर से तैयार किए गए एवम बजट राजस्थान विधानसभा में प्रस्तुत किए गए जो प्रदेश के इतिहास में एक नई रिकॉर्ड के समान है वजह यही है कि अरोड़ा लंबी सरकारी सर्विस में जनता से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विभागों में बड़े पदों पर तैनात रहे और अलग-अलग विभागों में कार्य करने के दौरान जनता और जनप्रतिनिधियों की आकांक्षाओं, विभागीय व्यवस्थाओं, भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों और सरकार की तिजोरी के हालातो इत्यादि के बारे में भरपूर नॉलेज रखते हैं जो उन्हें बजट तैयार करवाने में काफी सहायक साबित होती है इसीलिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भी अरोड़ा काफी भरोसेमंद और विश्वासपात्र अधिकारी बन रहे अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भी काफी भरोसेमंद अधिकारी बने हुए हैं इसीलिए मुख्यमंत्री शर्मा ने उन्हें अपना अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया हुआ है। इस पद पर काम करते हुए अरोड़ा को अभी ज्यादा महीने नहीं हुए हैं लेकिन इस कम अवधि में भी अरोड़ा ने अपने लंबे प्रशासनिक अनुभव, कार्यकुशलता, नए आइडिया, नवीन प्रयोग, बुद्धिमता से राजस्थान सरकार की योजनाओं को तैयार करवाने में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के एक अच्छे सारथी बने हुए हैं और सरकार के बजट तैयार करवाने में भी बड़ी भूमिका निभाई है और मुख्यमंत्री शर्मा के भरोसे और उम्मीद पर खरे उतर रहे हैं ।

राजस्थान सरकार का बजट तैयार करवाने में पूर्व आईएएस आदर्श किशोर का तोडा रिकॉर्ड

जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 में जब प्रदेश में अशोक गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी उस समय फाइनेंशियल सेक्रेटरी के रूप में अखिल अरोड़ा के नेतृत्व में ही राजस्थान सरकार का बजट तैयार किया गया था । इसके बाद वर्ष 2020 से 2023 के बीच अशोक गहलोत के नेतृत्व में ही राजस्थान विधानसभा में जो तीन बजट प्रस्तुत किए गए यह सभी बजट अखिल अरोड़ा की देखरेख में ही तैयार किए गए थे, इसके बाद वर्तमान भजनलाल सरकार में भी अखिल अरोड़ा की देखरेख में 2 बजट तैयार किए गए इस तरह से अखिल अरोड़ा की देखरेख में राजस्थान सरकार की ओर से 6 बजट तैयार किए गए जबकि इससे पहले पूर्व आईएएस आदर्श किशोर की देख रेख में राजस्थान सरकार के चार बजट तैयार किए गए थे और पूर्व आईएएस राजीव महर्षि की देखरेख में राजस्थान सरकार के तीन बजट तैयार हुए थे । इस तरह से प्रदेश के इतिहास में अखिल अरोड़ा राजस्थान सरकार के सबसे ज्यादा बजट तैयार करने के मामले में एक नया रिकॉर्ड कायम किया है जो उनकी फाइनेंशियल मैनेजमेंट की मजबूत क्षमता को दर्शाता है, अरोड़ा बेहद ही गंभीर, सहज और संजीदा अधिकारी माने जाते हैं लेकिन वित्त प्रबंधन के मामले में उनका कोई मुकाबला नहीं, कैसे और किस तरह से प्रदेश की इकोनॉमी को गति देनी है, कैसे और किस तरह से और किन तरीकों से पैसों की व्यवस्था करनी है, पैसों का कैसे और किस तरह से समुचित रूप से जनता के हितों के लिए खर्च करना है, कैसे और किस तरह से पैसों की बचत करनी है इन सब मामलों में अखिल अरोड़ा का कोई जवाब नहीं, इसीलिए प्रदेश में चाहे भाजपा की सरकार रही हो या फिर कांग्रेस पार्टी की हर सरकारों ने उन्हें वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव पद पर लंबे समय तक पोस्टिंग दी। करीब 6 साल 8 महीने से ज्यादा समय तक अखिल अरोड़ा राजस्थान में वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव पद पर नियुक्त रहे, अरोड़ा ने अपनी बुद्धिमत्ता, चतुराई और नवाचारों से एक तरफ जहां प्रदेश में एक से बढ़कर एक जन कल्याणकारी योजनाओं की संरचना तैयार करने में अपनी जबरदस्त भूमिका निभाई जो दूसरी तरफ प्रदेश सरकार की तिजोरी में लक्ष्मी माता का निरंतर अच्छा वास हो इस दिशा में भी उन्होंने अपने नवाचारों और नवीन प्रयोगों से प्रदेश की आर्थिक व्यवस्था को मजबूती देने का प्रयास किया । उनकी इसी निपुणता को देखकर मुख्यमंत्री शर्मा ने उन्हें सीएमओ का सबसे बड़ा ताकतवर अधिकारी बनाया ताकि सरकार से जुड़े हर छोटे-बड़े निर्णय में अरोड़ा की सलाह ली जा सके ।

24 साल के ही आईएएस अफसर बन गए, जयपुर, बीकानेर, डूंगरपुर जिलों के कलेक्टर के अलावा सभी प्रमुख विभागों में पोस्टेड रहे

अखिल अरोड़ा मुख्य रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं और बीई इलेक्ट्रिकल डिग्री धारी है पढ़ने में बचपन से ही मेधावी छात्र रहे इसी का परिणाम रहा की 24 साल की आयु में ही भारत की सबसे प्रमुख और बड़ी भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा को पास करके आईएएस अधिकारी बन गए, वर्ष 1993 बेच के आईएएस अधिकारी अखिल अरोड़ा की अब तक की यह हाई प्रोफाइल नौकरी इनकी उपलब्धियां और उत्कृष्ट प्रदर्शन की कहानी बयां कर रही है इन्हें जो भी जिम्मेदारी और जो भी विभाग काम करने के लिए दिया गया उस कार्य को 100 प्रतिशत बखूबी से संपादित किया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सरकारों को भी प्रभावित किया और जनता को भी भरपूर फायदा पहुंचाया, अरोड़ा का वर्किंग स्टाइल और व्यवहार बेमिसाल और शानदार है इसी वजह से जिस भी विभाग में जिम्मेदारी मिली वहां अपने कार्यों से एक नया अध्याय लिख डाला । उनकी इसी अदा पर सरकार भी खूब फिदा रही प्रदेश में चाहे भाजपा की सरकार रही हो या फिर कांग्रेस पार्टी की हर सरकार में इन्हें जनता से जुड़े महत्वपूर्ण विभाग में काम करने की जिम्मेदारी दी। अखिल अरोड़ा जयपुर के जिला कलेक्टर भी रहे इसके अलावा बीकानेर और डूंगरपुर जिलों के भी कलेक्टर रहे अपनी इस लंबी सरकारी सर्विस में अरोड़ा वित्त विभाग में भी लंबे समय तक पोस्टेड रहे इसके अलावा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग, जयपुर मेट्रो, माइंस एंड मिनिरल, एक्साइज डिपार्टमेंट इत्यादि कई विभागों में अपने उत्कृष्ट कार्यो से विभागों को गतिशील और क्रियाशील बनाए रखा । जयपुर और अन्य जिलों में कलेक्टर पद पर रहने के दौरान सरकार की योजनाओं का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन और ग्रामीण विकास को लेकर हमेशा अलर्ट मोड पर नजर आए और लोगों के लिए अपने दफ्तर के दरवाजे हमेशा खुले रखे लोगों से नियमित संवाद और ज्यादा से ज्यादा जनसुनवाई कार्यक्रमों का शहरी और ग्रामीण इलाकों में आयोजन करके गरीब मजदूर किसान और महिलाओं को राहत देने के हमेशा सतत प्रयास करते नजर आए उनका यह प्रयास आज भी जब वे मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर नियुक्त हैं जारी हैं ।

अशोक गहलोत के बाद भजनलाल शर्मा के भी आखिर कैसे भरोसेमंद अधिकारी बन गए अखिल अरोड़ा, वर्ष 1993 से लेकर अब तक अपनी लंबी आईएएस की नौकरी में कई बड़ी-बड़ी उपलब्धियां और रिकॉर्ड बनाने वाले अरोड़ा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान के विजन और संकल्प को पूरा करवाने की चुनौती को दृढ़तापूर्वक किया है स्वीकार, प्रदेश में सबसे ज्यादा बार राजस्थान सरकार का बजट तैयार करवा कर नया रिकार्ड बनाने वाले अखिल अरोड़ा का वित्त प्रबंधन में कोई मुकाबला नहीं, अपनी माता के अंतिम संस्कार के दिन भी दफ्तर में आकर बजट तैयार करवाने वाले इस अधिकारी की कर्तव्य परायणता देखते ही बनती है

जब अखिल अरोड़ा 2022 में कर्तव्य परायणता की अनूठी मिसाल बन गए

वर्ष 1994 बैच के आईएएस अधिकारी अखिल अरोड़ा शुरू से ही अपनी ड्यूटी और अपने फर्ज को लेकर काफी संवेदनशील और गंभीर रहे हैं, जितने गंभीर, सहज, सरल, अनुशासित और नेक दिल इंसान हैं उतने ही अपनी ड्यूटी और कर्तव्य को लेकर निष्ठावान रहे । इसका जीवंत उदाहरण उस दिन देखने को मिला जब 20 फरवरी 2022 को इनकी माता का निधन हो गया था उन दिनों राजस्थान सरकार की ओर से बजट तैयार करने की प्रक्रिया जबरदस्त तरीके से संपादित हो रही थी अरोड़ा उस समय प्रदेश में वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव पद पर नियुक्त थे और अरोड़ा की देखरेख में ही बजट तैयार हो रहा था लेकिन जैसे ही माता के निधन की सूचना अरोड़ा को मिली वे तुरंत अपनी मां के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, मां की आरती को कंधा भी दिया और फिर वापस अपने दफ्तर में आकर बजट तैयार करवाने में जुट गए, एक तरफ मां की मौत के निधन का गम तो दूसरी तरफ सरकारी फर्ज इस कठिन और विपरीत परिस्थितियों में अरोड़ा ने एक तरफ जहां अपने परिवार को संभाला तो दूसरी तरफ सरकार के बजट को भी तैयार करवाते रहे, यहां तक अपनी मां तीए की बैठक की बैठक भी संपन्न नहीं हुई थी इसके बावजूद भी जब 22 फरवरी को तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ बजट को अंतिम रूप देते हुए नजर आए, अरोड़ा के फर्ज के प्रति इतनी दीवानगी और निष्ठा को देखकर तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी उनकी काफी प्रशंसा की थी और शासन सचिवालय के गलियारों और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में भी अरोड़ा अपने इस व्यवहार और कार्य शैली को लेकर प्रशंसा और चर्चा के पात्र बने।

लो- प्रोफाइल के अखिल अरोड़ा का विभागीय मीटिंग लेने का अंदाज देखने लायक

प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में अखिल अरोड़ा लो -प्रोफाइल के अधिकारी माने जाते हैं जो दिखावे की जगह चुपचाप काम करने में ज्यादा विश्वास रखते हैं, विभागीय फाइलों के निस्तारण की प्रक्रिया को सतत रूप से जारी रखने के मामले में अखिल अरोड़ा का कोई जवाब नहीं, कोई भी फाइल हो जब तक वह पूरी तरह से निस्तारित नहीं हो जाती तब तक उसका पीछा करते रहते हैं, विभाग की मीटिंग लेने का भी इनका एक अलग अंदाज देखने को मिलता है प्रदेश की भजनलाल सरकार ने अरोड़ा को जब जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की जिम्मेदारी दी थी उस समय जल भवन में आयोजित विभागीय बैठक में अरोड़ा की वर्किंग स्टाइल और तेज तर्रार रवैया को देखकर अधिकारी भी काफी हैरान रह गए थे क्योंकि पिछली सरकार में जल जीवन मिशन घोटाले की खबर पूरे देश में सुर्खियों में रही थी इसलिए इस विभाग को नई गति और दिशा देने के लिए इस बैठक में अरोड़ा ने अधिकारियों को अपना विजन और संकल्प भी बताया। इसके अलावा सरकार का विजन भी बैठक में अधिकारियों के समक्ष रखा और साफ कह दिया जल जीवन मिशन और अमृत योजना में अब किसी भी तरह की लापरवाही, कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, योजना से जुड़े सभी छोटे-बड़े प्रोजेक्ट समय पर और पारदर्शक तरीके से कंप्लीट हो और इन योजनाओं से जुड़े एक-एक पैसे का सदुपयोग हो तथा प्रोजेक्ट के निर्माण में किसी भी विषय को लेकर किसी भी तरह का कोई भी समझौता नहीं हो इस बैठक में अखिल अरोड़ा पूरी तैयारी के साथ आए थे, प्रदेश के सभी जिलों में जल जीवन मिशन और अमृत योजना से जुड़े सभी कार्यों की लिस्ट लेकर आए थे और कई जगहों पर ठीक तरह से कार्य नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों को फटकार भी लगाई थी और चेताया भी था, कुछ अधिकारियों ने जब अपनी ओर से सफाई देने की कोशिश की तो अरोड़ा ने साफ कह दिया था मुझे कागज पर नहीं बल्कि डिजिटल जवाब चाहिए, बैठक में मौजूद अधिकारी आज भी अखिल अरोड़ा की इस बैठक के अंदाज को नहीं भूले हैं ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अच्छे सारथी बने हुए हैं अखिल अरोड़ा

जिस उम्मीद और भरोसे के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अखिल अरोड़ा को करीब 5 महीने पहले अपना अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया था। उस भरोसे और उम्मीद पर अरोड़ा बिल्कुल खरे उतर रहे हैं, वैसे तो पिछले सवा दो साल में प्रदेश की भजनलाल सरकार ने हर क्षेत्र में बहुत ही शानदार उल्लेखनीय कार्य किए हैं और कई बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं जिनका असर प्रदेश में देखने को भी मिल रहा है पानी, बिजली, सड़क, सौर ऊर्जा, युवा विकास,उद्योग,शिक्षा, कृषि, पुलिसिंग महिला कल्याण और सुरक्षा इत्यादि सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं लेकिन करीब 5 महीने पहले जब अरोड़ा को मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर नियुक्ति दी गई ,उसके बाद प्रदेश सरकार की ओर से प्रदेश के विकास को तेज गति से आगे बढ़ाने और प्रदेश की जनता की समस्याओं का ज्यादा से ज्यादा निस्तारण करने के लिए और भी कई नई-नई योजनाएं लागू की गई है । कई बड़े-बड़े निर्णय पानी, बिजली, उद्योग, युवा, कृषि, वन, खनन, पर्यावरण इत्यादि क्षेत्रों में सरकार की ओर से लिए गए हैं इन सब योजनाओं और बड़े फैसलों में अखिल अरोड़ा की बड़ी भूमिका मानी जा रही है। अरोड़ा ने कई महत्वपूर्ण विषय, अंतर राज्य विवादों और योजनाओं के संदर्भ में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अच्छे सलाह और सुझाव दिए हैं जिन पर मुख्यमंत्री शर्मा ने काफी गंभीरता से विचार करके उन्हें आत्मसात ही किया है इसलिए इस तरह से महाभारत के युद्ध में भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन की जीत को सुनिश्चित करने के लिए एक अच्छे सारथी की भूमिका निभाई थी ठीक उसी तरह से अखिल अरोड़ा पिछले पांच महीना से मुख्यमंत्री शर्मा के एक अच्छे सारथी बने हुए हैं और सरकार से जुड़े हर छोटे-बड़े विषय और मामलों में मुख्यमंत्री शर्मा अरोड़ा से सुझाव और सलाह भी लेते हैं । इसके अलावा प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में हो रहे कामकाज का फीडबैक भी अरोड़ा लगातार संबंधित अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री तक नियमित रूप से भिजवा रहे हैं ताकि प्रदेश भर में जो कुछ चल रहा है उसके बारे में सरकार के मुखिया को लगातार जानकारी मिलती रहे, जानकार लोगों का कहना है कि चाहे ग्रामीण विकास रथ कार्यक्रम की बात हो या फिर रात्रि चौपाल या फिर ग्लोबल एग्रीटेक राजस्थान मीट कार्यक्रम या फिर शहर और गांव में सरकार की ओर से लगाए जाने वाले शिविर या फिर पानी को लेकर हरियाणा मध्य प्रदेश और पंजाब राज्यों से चल रही बातचीत का विषय हो इन सब मामलों में अखिल अरोड़ा की सलाह और सुझाव को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हमेशा प्रमुखता देते हैं जो निश्चित रूप से प्रदेश जनता की भलाई और विकास के लिए काफी फायदेमंद माना जा रहा है ।

भजनलाल सरकार की योजनाओं का दमदार और प्रभावपूर्ण तरीके से प्रचार प्रसार करने में अखिल अरोड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका

अखिल अरोड़ा पूर्व में प्रदेश के सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के कामकाज को भी देख चुके हैं इसलिए इस विभाग की उपयोगिता और इंपॉर्टेंसी को अखिल अरोड़ा अच्छी तरह से जानते हैं । इसके लिए सूचना और जनसंपर्क निदेशालय, सरकार के मंत्रियों और मुख्यमंत्री के बीच रोजाना नियमित रूप से अच्छा समन्वय सामंजस्य और तालमेल बना रहे और सूचनाओं का नियमित रूप से रोजाना आदान-प्रदान होता रहे तथा सरकार की योजनाओं और उपलब्धियां के बारे में प्रदेश की जनता को प्रिंट, इलेक्ट्रानिक मीडिया और सोशल मीडिया इत्यादि के माध्यम से नियमित रूप से जानकारी मिलती रहे। शहरों के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में भी सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों और आगामी योजनाओं के बारे में किसान युवा मजदूर महिलाओं को जानकारी मिलती रहे इन सब विषयों पर अखिल अरोड़ा प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं । इसके अलावा सरकार और मीडिया जगत से जुड़े लोगों के बीच भी आपस में अच्छा कनेक्शन और व्यवहार बना रहे इन सब विषयों पर अखिल अरोड़ा मुख्यमंत्री कार्यालय में बैठकर नियमित रूप से संबंधित अधिकारियों से फीडबैक लेते रहते हैं और इस पूरी प्रक्रिया पर नियमित रूप से कड़ी निगरानी करते हैं ताकि सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार प्रभावी रूप से प्रदेश में हर घर तक पहुंचे। इसमें कोई संदेह नहीं पिछले पांच महीना में प्रदेश की भजनलाल सरकार और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं प्रचार प्रसार पहले की तुलना में और भी प्रभावपूर्ण तरीके से संपादित हो रहा है, पूरे प्रदेश में शहर से लेकर छोटे कस्बे और गांव तक लोगों के पास सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंच रही है इसकी वजह से जिन लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी नहीं थी उन्हें भी जानकारी मिली है ग्राम विकास रथ और ग्रामीण चौपाल जैसे कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने में अरोड़ा की अच्छी भूमिका मानी जा रही है। इस तरह से अरोड़ा जनकल्याणकारी योजनाओं, महत्वपूर्ण बिल और कानून के ड्राफ्ट तैयार करवाने जैसे मामलों में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का काफी सहयोग कर रहे हैं जो अरोड़ा को एक श्रेष्ठ और कुशल अधिकारी के रूप में सुशोभित कर रहा है ।

कोरोना के प्रबंधन में भी अखिल अरोड़ा निभा चुके हैं महत्वपूर्ण भूमिका

प्रदेश, देश और दुनिया में जब कोरोना महामारी का प्रकोप था उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अखिल अरोड़ा के हाथों में ही चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग की कमान दी थी इस कठिन और विपरीत परिस्थिति में अरोड़ा ने बहुत ही बुद्धि कौशल, गंभीरता और चिंतन के साथ विभाग को संभाले रखा, इस महामारी से मुकाबला करने के लिए प्रदेश में जितने भी और जो भी संसाधन, यंत्र, उपकरण और मानव श्रम उपलब्ध थे उनका बहुत ही प्रभावपूर्ण तरीके से प्रदेश में विभिन्न जिलों में जरूरत के हिसाब से उपयोग और वितरण सुनिश्चित करने की दिशा में रोजाना सतत रूप से कार्य करते रहे जिसकी वजह से देश में अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान में कोरोना का मैनेजमेंट काफी प्रभावपूर्ण और अच्छा रहा था । जिसकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी की थी इसके अलावा कोरोना महामारी के फैलने को रोकने की दिशा में भी अरोड़ा ने चिकित्सा विभाग के साथ-साथ पुलिस, जिला प्रशासन, राजनीतिक दलों, स्वयंसेवी संस्थाओं, दानदाताओं, भामाशाह, सरकारी कर्मचारी संगठनों, मजदूर संगठनों, सामाजिक संगठन इत्यादि सभी के साथ नियमित रूप से वर्चुअल तरीके से बातचीत करके कोरोना की गाइडलाइन को ठीक तरह से लोगों के बीच प्रचारित करने और जरूरतमंद लोगों की सेवा करने की पुरजोर अपील और कोशिश करते रहे और केंद्र सरकार से जुड़े लोगों तथा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के साथ भी रोजाना संवाद करके प्रदेश के हालातो के बारे में जानकारी देते रहे और आवश्यक मदद लेने के लिए प्रभावपूर्ण तरीके से राजस्थान का पक्ष रखते रहे जिसकी वजह से केंद्र से भी लगातार जरूरत के मुताबिक सहायता मिलती रही इन सब की वजह से प्रदेश में कोरोना का मैनेजमेंट बहुत ही शानदार रहा जिसकी वजह से यहां अन्य राज्यों की तुलना में लोगों की बहुत ही कम मौत हुई , कह सकते हैं कि अखिल अरोड़ा ने कठिन और विपरीत परिस्थिति में भी स्वास्थ्य डिपार्टमेंट को बहुत ही अच्छे तरीके से संभाले रखा ।

सम्पादकीय

आर्थिक महाशक्तियों को बाकी दुनिया की कोई फिक्र नहीं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे से यह उम्मीद की जा रही थी कि पश्चिम एशिया में संघर्ष का कोई हल निकलेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर गहरा रहे संकट से राहत मिलेगी। मगर दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई वार्ता के नतीजों से यह साफ है कि विश्व की आर्थिक महाशक्तियों को बाकी दुनिया की कोई फिक्र नहीं है। खबरों के मुताबिक, बैठक द्विपक्षीय मसलों पर ही केंद्रित रही और ट्रंप ने इसे 'जी-2' देशों का सम्मेलन बताया, जिसमें दोनों देशों के बीच कई व्यापारिक समझौते हुए। सवाल है कि खुद को दुनिया के सबसे ताकतवर बताने वाले देशों की क्या वैश्विक समुदाय के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं है, क्या उनकी यह ताकत सिर्फ निहित स्वार्थों तक ही सीमित है? पिछले कुछ वर्षों से विश्व के आर्थिक हितों को देखने के अमेरिका के नजरिए में बदलाव साफ नजर आ रहा है। अब यह साझा उदार मूल्यों पर नहीं, बल्कि महाशक्तियों के प्रभाव क्षेत्रों पर केंद्रित होता दिख रहा है। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि अमेरिका और चीन परस्पर सहयोग कर सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि उनके बीच तालमेल संभव हो सका, तो वह किस तरह की वैश्विक व्यवस्था तैयार करेगा। दो देशों का समूह यानी 'जी-2' शब्द वर्ष 2005 में अमेरिका के एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने गढ़ा था। उनका विचार था कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन के बीच मजबूत साझेदारी होनी चाहिए। इस विचार का उद्देश्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समूह 'जी-20' को और मजबूत करना था। तब वैश्विक वित्तीय संकट से निपटने के लिए 'जी-20' की रणनीति के तहत अमेरिका ने शुरुआती दौर में 787 अरब डालर, जबकि चीन ने 586 अरब डालर का प्रोत्साहन पैकेज दिया था। इससे दुनिया को बड़े आर्थिक संकट से बचाने में मदद मिली। मगर पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे वैश्विक संकट के बीच हाल में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई वार्ता में वैश्विक चिंताओं के बजाय परस्पर हितों की एक नई तस्वीर उभरकर सामने आई है। दोनों देशों के बीच बोइंग विमानों की खरीद समेत कई अहम व्यापारिक समझौते हुए हैं। यानी अब अमेरिका-चीन सहयोग का मतलब यह नहीं है कि उससे दुनिया के बाकी देशों के लिए सकारात्मक माहौल बनेगा, बल्कि यह एक ऐसे निजी समझौते की तरह दिखाई देता है, जिसमें दो महाशक्तियां सिर्फ अपने हित साध रही हैं। गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समेत कई आवश्यक वस्तुओं का संकट पैदा हो गया है। अमेरिका और ईरान के अड़ियल रवैये की वजह से शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही है, जिसका असर तमाम देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इसमें दोराय नहीं कि शांति वार्ता के लिए एक प्रभावी मध्यस्थ की जरूरत है और चीन इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। मगर अमेरिका और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात में इस मसले को तवज्जो नहीं देने को किस रूप में देखा जाएगा।

कहानी

मां का प्यार

किसी जमाने में एक समंदर के तट पर मछुआरों की एक बस्ती थी। इन मछुआरों की बस्ती में एक परिवार बहुत ही गरीब था।

इसी परिवार में एक इकलौता बेटा था। जिसका नाम कुंदन था। वह इकलौता था इसलिए उसे जरूरत से ज्यादा प्यार मिलता। वह शरारतें करता लेकिन उसे कभी डांट नहीं पड़ती। नतीजा यह हुआ कि वह जिद्दी, बददिमाग और बतमीज हो गया।

कुंदन धीरे-धीरे बड़ा हो गया, मगर जैसे-जैसे वह बड़ा होता गया उसकी शरारतें कम नहीं हुई, बल्कि उम्र के साथ शरारतें भी बढ़ती गई। आयें दिन उसकी शिकायतें माता-पिता को मिलती रहती।

एक दिन उस समंदर के तट पर एक नाव आकर लगती हैं। वह नाव के मालिक ने वहां के मछुआरों के लिए लंगर डालती है, और जब वह नाव वापस जाने के लिए रहती है तो उस जहाज के कैप्टन को कुछ नए कर्मचारी चाहिए होता है। वह मछुआरों से पूछता है क्या कोई जहाज पर काम करना चाहेगा?

कुंदन को जब यह बात मालूम होता है तो वह तुरंत जहाज पर नौकरी करने के लिए तैयार हो जाता है। वह सोचता है जहाज पर नौकरी करने से उसे भिन्न-भिन्न द्वीपों पर जाने का मौका मिलेगा और उसे अपनी गरीबी से भी छुटकारा मिल जाएगा।

कुंदन को जहाज पर नौकरी करने की बात सुनते ही उसके माता-पिता को दुःख तो होता है पर साथ ही उन्हें इस बात की खुशी भी होती है कि अब उन्हें अपने आस-पास की शिकायतों का सिलसिला भी थम जाएगा।

भींगे मन से भींगी आंखों से कुंदन के माता-पिता उसे विदा कर देते हैं। कुंदन तो जो गया तो फिर उसने मुंड़कर अपने माता-पिता की कोई खबर भी नहीं ली। साल पर साल बीतते गए। उसके पिता का निधन हो गया। मां की कमर झुक गई। मां के कपड़ों पर दर्जनों पैबंद लग गए।

वह अक्सर अपने बेटे या उसकी कोई खबर पाने के लिए रोजाना समुंदर के तट पर जाकर बैठ जाती। लोग उसे ऐसा देखते तो ताने देते मत राह देखों अपने नालायक बेटे का वह वापस नहीं आने वाले।

लेकिन कुंदन की मां राह देखना कैसे छोड़ देती, झूठी ही सही पर वह इसी उम्मीद के सहारे जी रही थी कि एक दिन उसका बेटा लौट आएगा।

कुंदन बददिमाग, जिद्दी जैसा भी था किस्मत का धनी था। जहाज पर एक अदना-सा कर्मचारी बन कर गया था पर कुछ ही समय में जहाज का कैप्टन बन जाता है, आज उसके पास खुद की कई जहाज और अत्यन धन, होता हैं। एक गरीब मछुआरें का बेटा खूबसूरत नौजवान और एक धनी आदमी बन जाता हैं।

एक दिन मछुआरों ने देखा कि समंदर की उठती-गिरती लहरों पर शानदार जहाजों का बेड़ा चला आ रहा है। जब पहला जहाज किनारे आकर लगा तो लोग उत्सुकता से जहाज के कर्मचारियों से सवाल-जवाब शुरू कर देते हैं। तभी एक मछुआरें की नजर जहाज के कैप्टन पर पड़ती है, वह कुदंन को पहचान जाता है, वह तुरंत उल्टे पांव कुंदन की मां को सुचना देने उसके झोपड़ी में जाता हैं।

कुंदन की मां जल्दी तेरा बेटा आ गया, कितना बड़ा आदमी बन कर आया हैं। मारे खुशी की उसके मां के आंखों में आंसू आ जाता हैं।

तने सालों बाद इकलौते बेटे से मिलने भला खाली हाथ कैसे जाती?

उसने जल्दी से केले के पत्ते पर चावलों को रखा और उसमें नमक मिलाकर बांस की टोकरी में रखकर, जितना तेज चल सकती थी उतना तेज चलकर जहाज के पास पहुंची।

मालिक कुंदन ने अपनी मां को देखकर पहचान तो लिया पर वह अपनी अमीरी के नशे से उबरक सबके सामने एक फटेहाल बुढ़िया को मां कैसे कह देता? केले के पत्ते में लिपटी नमक डाले साधारण चावल कैसे स्वीकार कर लेता? उसने नाक-भौं सिकोड़कर कहा- इसे किसने यहां आने दिया? निकालो इसे यहां से!

मुख्यमंत्रियों के चुनाव हारने की परंपरा

शिबू सोरेन का 2009 के उपचुनाव में तमाड़ सीट से हारना एक बड़े राजनीतिक संकट के रूप में उभरा, क्योंकि वह निर्वाचित हुए बिना मुख्यमंत्री पद पर आसीन थे। इसी तरह बंगाल में 34 वर्षों के वामपंथी शासन के पतन की सबसे बड़ी मुहर मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की 2011 में जाधवपुर सीट पर हुई हार थी। उत्तराखंड की भूमि पर भी जनता ने बार-बार यह संदेश दिया है। 2012 में भुवन चंद्र खंडूड़ी का कोटद्वार से हारना और 2017 में हरीश रावत का हरिद्वार ग्रामीण एवं किच्छा जैसी दोनों सीटों से पराजित होना इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है। 2022 में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खटीमा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार से पराजित हुए, जबकि उनकी पार्टी भाजपा राज्य में स्पष्ट बहुमत के साथ वापसी कर रही थी। ये रुझान दर्शाते हैं कि सत्ता की चमक कभी भी मतदाता की मूल अपेक्षाओं और उसके स्वाभिमान के सामने टिक नहीं पाती। किसी मुख्यमंत्री की हार के पीछे अक्सर सबसे बड़ा कारण उनका अति-आत्मविश्वास और सत्ता का अहंकार होता है। जब कोई नेता लंबे समय तक सत्ता में रहता है या भारी बहुमत से जीतता है तो अक्सर वह जनता की नब्ज टटोलने के बजाय अपनी इच्छाएं जनता पर थोपना शुरू कर देता है। जनता की भावनाओं को समझने के बजाय जब अपनी मनमानियों को जनमानस पर लादने की कोशिश करते हैं तो वहीं से उनके पतन की पटकथा लिखी जाती है।

सत्ताधारी मुख्यमंत्री का अपनी ही विधानसभा सीट गंवा देना भारतीय राजनीति का एक रोचक और जटिल पहलू है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक संदर्भों से लेकर हालिया चुनावी उथल-पुथल तक, यह सिलसिला लोकतंत्र की एक ऐसी गाथा सुनाता है जहां जनता की खामोशी सत्ता के अहंकार से कहीं अधिक शक्तिशाली सिद्ध होती है। भारतीय संसदीय इतिहास में मुख्यमंत्रियों के हारने की परंपरा पुरानी है, जो यह दर्शाती है कि यहां की लोकतांत्रिक जड़ें व्यक्ति विशेष के कद से हमेशा गहरी रही हैं। इसकी शुरुआत 1971 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिभुवन नारायण सिंह की मनीराम सीट पर हुई हार से हुई थी, जिसने देश को पहली बार यह अहसास कराया कि मुख्यमंत्री की कुर्सी चुनावी जीत की गारंटी नहीं है। इसके बाद समय-समय पर बड़े नाम इस सूची में जुड़ते गए।

शिबू सोरेन का 2009 के उपचुनाव में तमाड़ सीट से हारना एक बड़े राजनीतिक संकट के रूप में उभरा, क्योंकि वह निर्वाचित हुए बिना मुख्यमंत्री पद पर आसीन थे। इसी तरह बंगाल में 34 वर्षों के वामपंथी शासन के पतन की सबसे बड़ी मुहर मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की 2011 में जाधवपुर सीट पर हुई हार थी। उत्तराखंड की भूमि पर भी जनता ने बार-बार यह संदेश दिया है। 2012 में भुवन चंद्र खंडूड़ी का कोटद्वार से हारना और 2017 में हरीश रावत का हरिद्वार ग्रामीण एवं किच्छा जैसी दोनों सीटों से पराजित होना इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है। 2022 में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खटीमा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार से पराजित हुए, जबकि उनकी पार्टी भाजपा राज्य में स्पष्ट बहुमत के साथ वापसी कर रही थी। ये रुझान दर्शाते हैं कि सत्ता की चमक कभी भी मतदाता की मूल अपेक्षाओं और उसके स्वाभिमान के सामने टिक नहीं पाती।

किसी मुख्यमंत्री की हार के पीछे अक्सर सबसे बड़ा कारण उनका अति-आत्मविश्वास और सत्ता का अहंकार होता है। जब कोई नेता लंबे समय तक सत्ता में रहता है या भारी बहुमत से जीतता है तो अक्सर वह जनता की नब्ज टटोलने के बजाय अपनी इच्छाएं जनता पर थोपना शुरू कर देता है। जनता की भावनाओं को समझने के बजाय जब अपनी मनमानियों को जनमानस पर लादने की कोशिश करते हैं तो वहीं से उनके पतन की पटकथा लिखी जाती है। 2017 में हिमाचल के प्रेम कुमार धूमल की सुजानपुर में हार हो या गोवा के लक्ष्मीकांत पारसेकर की मंड्रेम में शिकस्त के पीछे जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और सत्ता का बढ़ता हुआ केंद्रीकरण था। जब जनता को यह लगने लगता है कि उनका सेवक अब उनका शासक बनने की कोशिश कर रहा है तो वह मतदान केंद्र पर चुपचाप अपनी ताकत दिखा देती है।

हाल के वर्षों में, विशेषकर 2021 से 2026 के मध्य, चुनाव में मुख्यमंत्रियों की हार के पैटर्न ने भारतीय राजनीति को एक नया मोड़ दिया है। बंगाल के 2021 के चुनाव में ममता बनर्जी नंदीग्राम में सुवेंदु अधिकारी से मात खा गईं। ममता बनर्जी ने उसे अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था, लेकिन जनता ने यह संदेश दिया कि कोई भी व्यक्ति किसी क्षेत्र विशेष को अपनी जागीर नहीं समझ सकता। पंजाब में 2022 के चुनाव में चरणजीत सिंह चन्नी का अपनी दोनों सीटों, चमकौर साहिब और भदौड़ से हारना सत्ता के प्रति जनता के तीव्र मोहभंग का परिणाम था। 2024 में ओडिशा के अजेय माने जाने वाले नवीन पटनायक का कांटाबांजी सीट से हारना और 24 साल के शासन का अंत होना, इस बात का प्रमाण है कि जनता एक समय के बाद बदलाव और नई ऊर्जा चाहती है। 2026 के ताजा चुनावी परिणामों ने इस फेहरिस्त में सबसे चौंकाने वाले अध्याय जोड़े हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहते एमके स्टालिन का अपनी अभेद्य मानी जाने वाली कोलाथुर सीट पर एक नवोदित दल टीवीके के प्रत्याशी से लगभग 9,000 वोटों से हारना यह दर्शाता है कि दक्षिण की राजनीति में भी द्रविड़ किले में दरारें पड़ चुकी हैं। वहीं बंगाल में ममता बनर्जी की भवानीपुर सीट पर हार और सिक्किम में पवन कुमार चामलिंग की पूर्व में पराजय यह साबित करती हैं कि चेहरा कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह काम और व्यवहार का विकल्प नहीं हो सकता। कर्नाटक में सिद्दरमैया की चामुंडेश्वरी में हार भी इसी अहंकार की बलि चढ़ने का उदाहरण थी।

मुख्यमंत्रियों की हार को देखते हुए बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या यह निजी असफलता है या व्यापक राजनीतिक संकेत? वस्तुतः देखा जाए तो मुख्यमंत्रियों की हार के सवाल का उत्तर एक से अधिक आयामों में छिपा है। कई बार स्थानीय मुद्दे, जातीय समीकरण, उम्मीदवार चयन में हुई चूक, गुटबाजी या विपक्षी उम्मीदवार की मजबूत अपील इसका कारण बनती है। यह राजनीतिक दलों के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि शीर्ष नेतृत्व की लोकप्रियता के भरोसे अकेले चुनाव नहीं जीते जा सकते। जमीनी संगठन, स्थानीय मुद्दों की समझ और उम्मीदवार की छवि भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। वहीं यह सत्ता विरोधी आक्रोश भी है, क्योंकि यह शासकों को चेतावनी देता है कि वे जनता की भावनाओं को हल्के में न लें। जब सत्ता के गलियारों में बैठे लोग जनता का मन टटोलना बंद कर देते हैं और अपनी नीतियां या अपनी सनक को उन पर थोपते हैं तो जनता का गुस्सा शांत, लेकिन प्रभावी ढंग से फूटता है।

भाजपाई सत्ता विस्तार में हिमंत की अहम भूमिका

पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री बने एन. रंगासामी भी पुराने कांग्रेसी ही हैं, जिन्होंने अलग क्षेत्रीय पार्टी बना कर भाजपा से गठबंधन में दूसरी बार जनादेश हासिल किया है। यह कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक समझ और प्रबंधन के फर्क को भी रेखांकित करता है। कांग्रेस जहां ऐसे उपयोगी नेताओं को मान-सम्मान नहीं दे पाती, वहीं भाजपा उन्हें दूसरे दलों से भी लाकर अपने यहां समाहित कर लेती है। इस बार अकेले बहुमत मिलने के बावजूद भाजपा ने असम गण परिषद और बोडो पीपुल्स फ्रंट जैसे मित्र दलों को संक्षिप्त मंत्रिमंडल गठन में भी स्थान दिया है, जबकि कांग्रेस के मित्र दलों की नाराजगी असम में भी मुखर होने लगी है। कांग्रेस बंगाल में लगभग सभी सीटों पर जीतने के बाद दो पर जीत हासिल करने में भी सफल रही, लेकिन इससे विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए की साख और भविष्य पर भी सवाल उठने लग गए। बेशक इसके लिए ममता बनर्जी की जिद भी उतनी ही जिम्मेदार रही, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव और हाल के विधानसभा चुनाव में भी सहयोगी दलों को कोई भाव नहीं दिया। आइएनडीआइए का यह विरोधाभास भी किसी एक प्रदेश तक सीमित नहीं। राष्ट्रीय स्तर पर साथ होते हुए भी केरलम में कांग्रेस और वाम मोर्चा आमने-सामने होते हैं। इस बार वहां कांग्रेसनीत यूडीएफ ने एलडीएफ यानी वाम मोर्चा से ही सत्ता छीनी है। बंगाल में तो यह विरोधाभास और भी विचित्र है। ममता ने कांग्रेस छोड़कर ही अलग तृणमूल कांग्रेस बनाई और अकेले दम पर 2011 में 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को उखाड़ फेंका। यह विरोधाभास ऐसा राजनीतिक सच है, जिससे मुंह नहीं चुराया जा सकता। फिर भी राहुल गांधी चुनाव प्रचार में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरुद्ध भाजपाई भाषा-शैली के उपयोग से बच सकते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह समेत भाजपा नेता ममता शासन के लिए 'टीएमसी का गुंडाराज' जैसी भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। उसी शब्दावली का उपयोग करते हुए राहुल ने अप्रत्याशित रूप से संक्षिप्त चुनाव प्रचार में आरोप लगाया कि ममता ने ठीक से सरकार नहीं चलाई, इसलिए बंगाल में भाजपा के लिए रास्ता खुल रहा है। भाजपा को 207 और तृणमूल को 80 सीटें देकर बंगाल के मतदाताओं ने अपना निर्णय सुना दिया तो राजनीतिक अवसरवाद फिर दिखाई पड़ा, जब ममता और राहुल दोनों के सुर बदल गए।

वैसे तो हार-जीत एक ही सिक्के के दो पहलू कहे जाते हैं, लेकिन अगर आपके हिस्से अक्सर एक ही पहलू आए तो गंभीर आत्मविश्लेषण की जरूरत है। हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों ने इस पहलू को फिर से रेखांकित किया है। असम में भाजपा की हैटट्रिक को लेकर शायद कांग्रेस को भी संदेह नहीं रहा होगा। खासकर 2023 के परिसीमन के बाद सामाजिक समीकरणों पर भाजपा की पकड़ इतनी मजबूत हो गई है कि वहां उसकी सत्ता को हिलाना फिलहाल तो आसान नहीं है। अपनी आक्रामक भाषा और राजनीतिक प्रबंधन से भी अपनी उपयोगिता साबित कर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भाजपा आलाकमान के लाड़ले बन गए हैं। न सिर्फ असम, बल्कि समूचे पूर्वोत्तर में भाजपाई सत्ता विस्तार में हिमंत की अहम भूमिका रही। इसे देखते हुए क्या कांग्रेस को ऐसे उपयोगी नेता को गंवाने पर कोई अफसोस होता है या नहीं? यह भी न भूला जाए कि कांग्रेस सरकारों में वरिष्ठ मंत्री रहे हिमंत ने राहुल गांधी के व्यवहार से खफा होकर ही कांग्रेस छोड़ी थी। राहुल गांधी की टिप्पणियों से तो नहीं लगता कि ऐसे उपयोगी और जनाधार वाले नेताओं के अलगाव पर कांग्रेस में कोई आत्मचिंतन चल रहा है। बंगाल की बात करें तो तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी की सत्ता का 15 साल पुराना मजबूत किला ध्वस्त हो गया। देखा जाए तो ममता और उन्हें सत्ता से अपदस्थ करने में अहम भूमिका निभाने वाले सुवेंदु अधिकारी दोनों ही मूलतः कांग्रेसी हैं। पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री बने एन. रंगासामी भी पुराने कांग्रेसी ही हैं, जिन्होंने अलग क्षेत्रीय पार्टी बना कर भाजपा से गठबंधन में दूसरी बार जनादेश हासिल किया है। यह कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक समझ और प्रबंधन के फर्क को भी रेखांकित करता है। कांग्रेस जहां ऐसे उपयोगी नेताओं को मान-सम्मान नहीं दे पाती, वहीं भाजपा उन्हें दूसरे दलों से भी लाकर अपने यहां समाहित कर लेती है। इस बार अकेले बहुमत मिलने के बावजूद भाजपा ने असम गण परिषद और बोडो पीपुल्स फ्रंट जैसे मित्र दलों को संक्षिप्त मंत्रिमंडल गठन में भी स्थान दिया है, जबकि कांग्रेस के मित्र दलों की नाराजगी असम में भी मुखर होने लगी है। कांग्रेस बंगाल में लगभग सभी सीटों पर जीतने के बाद दो पर जीत हासिल करने में भी सफल रही, लेकिन इससे विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए की साख और भविष्य पर भी सवाल उठने लग गए। बेशक इसके लिए ममता बनर्जी की जिद भी उतनी ही जिम्मेदार रही, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव और हाल के विधानसभा चुनाव में भी सहयोगी दलों को कोई भाव नहीं दिया। आइएनडीआइए का यह विरोधाभास भी किसी एक प्रदेश तक सीमित नहीं। राष्ट्रीय स्तर पर साथ होते हुए भी केरलम में कांग्रेस और वाम मोर्चा आमने-सामने होते हैं। इस बार वहां कांग्रेसनीत यूडीएफ ने एलडीएफ यानी वाम मोर्चा से ही सत्ता छीनी है। बंगाल में तो यह विरोधाभास और भी विचित्र है। ममता ने कांग्रेस छोड़कर ही अलग तृणमूल कांग्रेस बनाई और अकेले दम पर 2011 में 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को उखाड़ फेंका। यह विरोधाभास ऐसा राजनीतिक सच है, जिससे मुंह नहीं चुराया जा सकता। फिर भी राहुल गांधी चुनाव प्रचार में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरुद्ध भाजपाई भाषा-शैली के उपयोग से बच सकते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह समेत भाजपा नेता ममता शासन के लिए 'टीएमसी का गुंडाराज' जैसी भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। उसी शब्दावली का उपयोग करते हुए राहुल ने अप्रत्याशित रूप से संक्षिप्त चुनाव प्रचार में आरोप लगाया कि ममता ने ठीक से सरकार नहीं चलाई, इसलिए बंगाल में भाजपा के लिए रास्ता खुल रहा है। भाजपा को 207 और तृणमूल को 80 सीटें देकर बंगाल के मतदाताओं ने अपना निर्णय सुना दिया तो राजनीतिक अवसरवाद फिर दिखाई पड़ा, जब ममता और राहुल दोनों के सुर बदल गए।

न्यायाधीशों का संख्याबल

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह अध्यादेश जारी किया, उससे यह पता चलता है कि वह शीर्ष कोर्ट में शीघ्र ही न्यायाधीशों की संख्या बढ़ते हुए देखना चाहती है। अब मुख्य न्यायाधीश को मिलाकर सर्वोच्च न्यायालय में कुल न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। निश्चित रूप से इससे सुप्रीम कोर्ट में लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने और न्यायिक प्रणाली में तेजी लाने में सहायता मिलेगी। उम्मीद की जाती है कि इसके चलते सुप्रीम कोर्ट से लोगों को शीघ्र न्याय मिल सकेगा, लेकिन प्रश्न यह है कि उच्च न्यायालयों एवं अधीनस्थ न्यायालयों में स्थिति कैसे और कब बदलेगी? आवश्यकता ऐसे उपाय करने की भी है कि उच्च न्यायालयों

एवं अधीनस्थ न्यायालयों में भी लंबित मुकदमों का बोझ कम हो और लोगों को समय पर न्याय सुलभ हो। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला स्तर तक की अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या लगभग पांच करोड़ पहुंच गई है। न तो लंबित मुकदमों का बोझ कम हो रहा है और न ही लोगों को समय पर न्याय मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि सामान्य मामलों का निपटारा होने में भी वर्षों और कई बार तो दशकों लग जाते हैं। यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि न्याय में देरी एक तरह का अन्याय ही है। सर्वोच्च न्यायालय हो या उच्च न्यायालय या अधीनस्थ न्यायालय, इनमें केवल न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने से ही बात बनने वाली नहीं है। यदि समय पर न्याय देना है तो हर स्तर पर न्यायपालिका को पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस भी करना होगा। न्याय में देरी का एक कारण न्यायाधीशों की कमी ही नहीं, बल्कि संसाधनों का अभाव भी है। सर्वोच्च न्यायालय के अतिरिक्त अन्य न्यायालयों में भी न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने पर गंभीरता से विचार इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि अपने देश में प्रति दस लाख जनसंख्या पर लगभग 22 न्यायाधीश ही कार्यरत हैं। इसके विपरीत विकसित देशों में प्रति दस लाख आबादी पर न्यायाधीशों की संख्या सौ से अधिक है। दशकों पहले विधि आयोग ने त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रति दस लाख आबादी पर कम से कम 50 न्यायाधीशों की नियुक्ति की आवश्यकता जताई थी। कोई नहीं जानता कि इस आवश्यकता की पूर्ति क्यों नहीं की जा पा रही है? समय पर न्याय उपलब्ध कराने के लिए यह भी आवश्यक है कि न्यायिक प्रक्रिया के तौर-तरीके बदलें।

राज्यपाल और स्पीकर देवनानी ने किया विधानसभा के प्रतीक चिन्ह का विमोचन और 13 द्वारों का नामकरण

विधान सभा का प्रतीक चिन्ह राजस्थान की संस्कृति का द्योतक: राज्यपाल बागड़े

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा के 75वें वर्ष पर विधान सभा के प्रतीक चिन्ह का विमोचन और विधानसभा के 13 द्वारों के नामकरण पट्टिका का अनावरण कर अमृत महोत्सव का उद्घोष किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र सदन है। राजस्थान विधानसभा का गौरवमय इतिहास रहा है। स्वतंत्र भारत में भले ही 1952 में विधानसभा गठित हुई परन्तु राजस्थान में 1913 में स्वतंत्रता से पूर्व ही महाराजा गंगा सिंह ने प्रतिनिधि सभा की स्थापना कर विधानसभा की शुरुआत कर दी थी। विधान सभा के अमृतकाल के अवसर पर प्रतीक चिन्ह का लोकार्पण महत्वपूर्ण हैं। राज्यपाल ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष देवनानी की पहल पर तैयार लोगो राजस्थान के जन मानस की सोच का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने प्रतीक चिन्ह में सम्मिलित राज्य वृक्ष खेजड़ी और विधान सभा भवन की छवियों की चर्चा करते हुए कहा कि यह राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों में भी उत्सवधर्मिता से जीवन जीने वाले लोगों की जीवटता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि खेजडी तो

राजस्थान का कल्प वृक्ष है। खेजड़ी के लिए हुए बलिदान की वृक्ष संस्कृति की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ऊंट और गोडावन का समावेश समन्वय की संस्कृति का द्योतक है। राज्यपाल ने कहा कि देश शिक्षा से ही आगे बढ़ता है। बच्चों का टेलेंट प्रगति में सहयोगी होता है। शिक्षा को व्यवहार में लाने की जरूरत है। सभी स्कूल अच्छे कैसे हो, वहां व्यवहारिक शिक्षा कैसे मिले, इस पर सभी मिलकर सोचे। राज्यपाल ने महाराष्ट्र में विधानसभा अध्यक्ष रहने के अपने संस्मरण भी साझा किए और कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब हम अधिकारी के साथ कर्तव्य के प्रति भी सजग रहें। उन्होंने विधानसभा द्वारों के नामकरण के अंतर्गत राजस्थान की शौर्य और वीरता की धरती से जुड़े स्थानी के समावेश की सराहना की। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा के अमृतकाल में हमारा संकल्प और भावी दृष्टिकोण जनता का अटूट विश्वास है। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधान सभा देश की ऐसी विधान सभा बन गई ह। जिसका प्रतीक चिन्ह (लोगो) बनाया गया है। लोकतंत्र, जनविश्वास और संवैधानिक मर्यादाओं की सतत साधना के गौरवपूर्ण इतिहास की साक्षी राजस्थान विधान सभा ने राजपूताना की रियासतों से निकलकर आधुनिक राजस्थान के निर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना और जनप्रतिनिधित्व की परंपरा को सशक्त बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

विधानसभा भवन करोड़ों नागरिकों की आशाओं का पावन केंद्र:

देवनानी ने कहा कि विधान सभा का लोगों यहां की 75 वर्षों की लोकतांत्रिक परंपरा, जनआकांक्षाओं और संवैधानिक गौरव का सजीव प्रतीक है। प्रतीक चिन्ह में अंकित विधानसभा भवन करोडों नागरिकों की आशाओं का केंद्र है। शीर्ष पर सुशोभित अशोक स्तंभ भारतीय राजधर्म, सत्य, न्याय और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। इसमें अंकित गोडावण राजस्थान की सांस्कृतिक व प्राकृतिक अस्मिता का प्रतिनिधित्व करता ह। जबकि खेजड़ी का वृक्ष त्याग, धैर्य और लोकमंगल की परंपरा का संदेश देता है। वहीं ऊँट और गोडावण मरुधरा की सहनशीलता, संघर्ष और निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्राय धर्मनिष्ठा विधायिका राजस्थान विधान सभा द्वारा की जाने वाली जनसेवा और संवैधानिक मर्यादा का आत्म मंत्र है। राष्ट्र के लिए धर्मनिष्ठा, न्यायपूर्ण और कर्तव्यपरायण विधायिका, सत्य, न्याय, संतुलन और लोककल्याण के लिए कार्य करती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति कर्तव्यों में ही होती है। देवनानी ने कहा कि भारतीय दर्शन में धर्म का अर्थ सत्य, न्याय, कर्तव्य, संतुलन और लोक कल्याण है। विधान सभा सदन जनता की आंकाक्षाओं को संविधान की मर्यादाओं में रहकर पूरा करता है।

द्वारों के नाम लोकतंत्र के मूल आदर्शों के प्रतीक स्पीकर:

देवनानी ने विधानसभा भवन के विभिन्न द्वारों के नामकरण को भी ऐतिहासिक और मूल्यपरक निर्णय बताते हुए कहा कि द्वारों के नाम लोकतंत्र के मूल आदर्शों के प्रतीक हैं। इन द्वारों से प्रवेश करने वाला प्रत्येक व्यक्ति यह अनुभव करेगा कि वह केवल एक भवन में नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक संस्कारों के पवित्र केंद्र में प्रवेश कर रहा है। देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा में उत्तरी द्वार (पीतल) जहां से राज्यपाल, स्पीकर, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष प्रवेश करते है उसे कर्तव्य द्वार, दक्षिणी द्वार जहां से विधायिका की असली शक्ति जनता का प्रवेश होता है उसे शक्ति द्वार, पश्चिमी द्वार जहां से विधायकगण प्रवेश करते है उसे सुशासन द्वार, पूर्वी द्वार जहां से अधिकारीगण प्रवेश करते है उसे संकल्प द्वार और उत्तरी द्वार (मंदिर) जहां से विशिष्ट व्यक्तियों का आगमन होता है उसे शौय द्वार नाम दिया गया है।

विधान सभा भवन लोकतंत्र की जीवंत तस्वीर:

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि विधान सभा भवन के बाहरी द्वारों को राजस्थान के अंचलो बृज, शेखावाटी, वागड़, हाड़ौती, मारवाड़, मेवाड़, मेरवाड़ा और ढूंढाड़ के नाम समर्पित कर, राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता, विरासत और लोकपरंपराओं को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ने का अभिनव प्रयास है। उन्होंने कहा कि द्वार संख्या एक को बृज द्वार, दो को शेखावाटी द्वार, तीन को वागड़ द्वार, चार को मेवाड द्वार, पांच को मारवाड द्वार, छः को हाड़ौती द्वार, सात को मेरवाडा द्वार और द्वार संख्या आठ को ढूंढाड द्वार नाम दिया गया है। बृज भक्ति व सांस्कृतिक मधुरता, शेखावाटी कला व उद्यमशीलता, वागड प्रकृति संगत आदिवासी चेतना, हाड़ौती साहित्यिक व स्थापत्य परम्परा, मारवाड संघर्षशीलता, मेवाड राष्ट्र गौरव व बलिदान, मेरवाडा संत परम्परा और ढूंढाड़ राजनीतिक व सांस्कृतिक ऊर्जा के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि यह सभी मिलकर राजस्थान की आत्मा का निर्माण करते हैं। आज यह विधान सभा भवन इन सभी सांस्कृतिक धाराओं को समाहित कर लोकतंत्र की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है।

चूरू में कृषि संग्रहालय स्थापित करने की मांग, पारंपरिक कृषि विरासत संरक्षण पर जोर

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस.)। राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने चूरू में राजकीय कृषि संग्रहालय स्थापित करने की मांग उठाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व स्थानीय जनप्रतिनिधियों से कृषि विरासत संरक्षण के लिए पहल करने का आग्रह किया है। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर जारी वक्तव्य में डॉ. सहारण ने कहा कि आधुनिक तकनीक के दौर में पारंपरिक कृषि उपकरण और ग्रामीण कृषि संस्कृति तेजी से विलुप्त होती जा रही है। नई पीढ़ी को हळ, तांगड़-पट्टिये, पीनणी-बांसिया, बिलोवणी, घिलोड़ती, अराई, नेतरो और झेरणा जैसे पारंपरिक कृषि उपकरणों की जानकारी देने के लिए कृषि संग्रहालय जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि चूरू जैसे कृषि प्रधान रेगिस्तानी क्षेत्र में सिंचाई और तकनीकी बदलाव के कारण खेती का स्वरूप तेजी से बदला है। ऐसे में कृषि विरासत के संरक्षण और ग्रामीण संस्कृति को सहेजने के उद्देश्य से यहां कृषि संग्रहालय स्थापित किया जाना चाहिए। डॉ. सहारण ने बताया कि पूर्व में भी उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में इस संबंध में प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने राज्य सरकार से चूरू में भारत सरकार अथवा राजस्थान सरकार स्तर पर कृषि संग्रहालय स्वीकृत करने की मांग की है।

राजस्थान में सघन नाकाबंदी अभियान, 47 हजार वाहनों की जांच; 274 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान पुलिस के दो दिवसीय सघन नाकाबंदी अभियान के तहत प्रदेशभर में 810 नाकाबंदी पॉइंट्स पर 47 हजार से अधिक वाहनों की जांच की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न मामलों में 274 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा 11 हजार से अधिक मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चलाए गए अभियान की जानकारी देते हुए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कानून एवं व्यवस्था वी के सिंह ने बताया कि 16 और 17 मई को प्रदेश की विभिन्न रेंजों में प्रमुख

मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 24 हजार 573 दोपहिया और 22 हजार 531 चौपहिया वाहनों की जांच की गई। पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने, बिना नंबर प्लेट और काली फिल्म लगे वाहनों के खिलाफ कुल 11 हजार 504 कार्रवाई की। इनमें 757 शराब पीकर वाहन चलाने वालों, 1667 बिना हेलमेट, 1484 बिना सीट बेल्ट, 191 मोबाइल पर बात करते वाहन चालकों, 1438 संदिग्ध या बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों तथा 1017 काली फिल्म लगे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई शामिल रही। पुलिस के अनुसार उदयपुर रेंज में सबसे अधिक 2647 तथा अजमेर रेंज में 2576 एमवी एक्ट कार्रवाई दर्ज की गई। इसके अलावा जयपुर, कोटा, भरतपुर, जोधपुर और बीकानेर रेंज में भी व्यापक कार्रवाई की गई। अभियान के दूसरे चरण में पुलिस ने आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट और अन्य कानूनों के तहत कुल 274 लोगों को गिरफ्तार किया। इस दौरान अवैध हथियार, शराब और कई संदिग्ध वाहन भी जब्त किए गए। एडीजी वीके सिंह ने कहा कि अपराध नियंत्रण, सड़क सुरक्षा और संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

सूचना आयोग ने सुमेरपुर पालिका से मांगा रिकॉर्ड, 30 दिन में सूचना देने के निर्देश

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर/जयपुर।(कास) राजस्थान राज्य सूचना आयोग ने नगर पालिका सुमेरपुर को फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कार्यों से जुड़े टेंडर और भुगतान संबंधी रिकॉर्ड 30 दिन में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मांगी गई अभिलेखीय सूचना आवेदक को निःशुल्क दी जाए, अन्यथा सूचना उपलब्ध नहीं होने के कारण लिखित रूप में बताए जाएं। मामला महावीर कॉलोनी निवासी तगाराम सोलंकी द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई जानकारी से जुड़ा है। आवेदक ने वर्ष 2020 से अब तक नगर पालिका में आयोजित कार्यक्रमों, फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी कार्यों, जारी टेंडरों, चयनित फर्मों, तुलनात्मक विवरण और भुगतान संबंधी दस्तावेजों की प्रतियां मांगी थीं। सूचना समय पर उपलब्ध नहीं होने और प्रथम अपील के लंबित रहने के बाद मामला राजस्थान राज्य सूचना आयोग पहुंचा। राज्य सूचना आयुक्त सुनील शर्मा ने सुनवाई के बाद नगर पालिका के जवाब को असंतोषजनक मानते हुए रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के आदेश दिए। आयोग के आदेश के बाद नगर पालिका प्रशासन में हलचल बढ़ गई है। सूत्रों के अनुसार फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कार्यों में हुए भुगतान और निविदा प्रक्रिया को लेकर लंबे समय से चर्चाएं चल रही थीं।

महिला सुरक्षा संकल्प अभियान: छात्राओं पर फब्तियां कसने वाला युवक गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

कालाडेरा(कास)। जयपुर ग्रामीण पुलिस की ओर से चलाए जा रहे महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत

कालाडेरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिलाओं और छात्राओं से अभद्र व्यवहार करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सकारात्मक संदेश गया है। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण के निर्देशन में सार्वजनिक स्थानों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) और वृत्ताधिकारी गोविंदगढ़ के सुपरविजन में कालाडेरा थाना पुलिस की टीम गठित कर रविवार को क्षेत्र में गश्त की गई। पुलिस टीम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कालाडेरा तथा रीको क्षेत्र में छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए डाबर कॉलोनी पहुंची। वहां एक युवक राह चलती छात्राओं और महिलाओं पर फब्तियां कसता तथा उनका पीछा करता नजर आया। पुलिस ने युवक को रोककर पूछताछ की तो वह आक्रोशित हो गया और शिकायत करने वालों को सबक सिखाने की धमकी देने लगा। महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को बीएनएस की धारा 170 के तहत गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लक्ष्मण कुमार (30) पुत्र दिलीप कुमार रछोया निवासी डाबर कॉलोनी, कालाडेरा के रूप में हुई है। कार्रवाई में थाना प्रभारी पूजा पूनिया के नेतृत्व में पुलिस टीम के अन्य जवानों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला सुरक्षा अभियान के तहत आगे भी स्कूल-कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी तथा महिलाओं से छेड़छाड़ या अभद्र व्यवहार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ।

चंदवाजी पुलिस का बड़ा एक्शन: आईपीएल सट्टे के मास्टरमाइंड को दबोचा, 1.90 लाख नकद सहित पूरा नेटवर्क उजागर

जयपुर टाइम्स

चंदवाजी(निस.)। जयपुर ग्रामीण जिले की चंदवाजी थाना पुलिस ने आईपीएल मैचों पर चल रहे ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सट्टा कारोबार संचालित करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर अवैध नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सट्टा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। आरोपी के कब्जे से 1 लाख 90 हजार रुपए नकद, पांच मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, बैंक दस्तावेज, एलईडी टीवी और हिसाब-किताब की डायरी बरामद की गई है। जयपुर ग्रामीण एसपी हनुमान प्रसाद के निर्देशन में अवैध गतिविधियों पर लगातार शिकंजा कस रही पुलिस को सूचना मिली थी कि चंदवाजी क्षेत्र में एक मकान से आईपीएल क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन हार-जीत का दांव लगाकर सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह और वृत्ताधिकारी जमवारामगढ़ रामकिशन विश्नोई की निगरानी में थाना प्रभारी नितिन चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी विष्णु कुमार शर्मा निवासी अचरोल के घर दबिश दी। कमरे की तलाशी के दौरान पुलिस को बड़ी मात्रा में नकदी, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक और सट्टे का हिसाब-किताब मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा खिलाकर अवैध कमाई कर रहा था। पुलिस ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार कर जुआ अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मामला दर्ज किया। कार्रवाई के

दौरान पुलिस ने मौके से 1.90 लाख रुपए नकद, तीन एंड्रॉयड मोबाइल, दो साधारण मोबाइल, विभिन्न बैंकों के आठ एटीएम कार्ड, सात बैंक पासबुक, चार चेकबुक, एक 40 इंच एलईडी टीवी तथा हिसाब-किताब की डायरी जब्त की। माना जा रहा है कि आरोपी लंबे समय से ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क संचालित कर रहा था और पुलिस अब उससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाने में लगी है। क्षेत्रवासियों ने चंदवाजी पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि आईपीएल सट्टा युवाओं को बर्बादी की ओर धकेल रहा है और ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई जरूरी है।

बेटे ने ही रची लाखों की चोरी की साजिश, पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा

जयपुर टाइम्स

मौखमपुरा(कास)। मौखमपुरा थाना पुलिस ने घर में हुई लाखों रुपए की चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पीड़ित के बेटे को ही गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नशे और कर्ज के चलते अपने ही घर में चोरी की साजिश रची थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लाखों रुपए की नकदी, सोने-चांदी के आभूषण बरामद कर वारदात में प्रयुक्त कार भी जब्त की है। पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि बिचून निवासी मदनलाल रैगर ने मौखमपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह 15 मई को स्कूल ड्यूटी पर गए थे। दोपहर में लौटने पर घर की अलमारी का ताला टूटा मिला और घर का सामान बिखरा पड़ा था। घर से सोने-चांदी के जेवरात और लाखों रुपए की नकदी चोरी हो गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू और वृत्ताधिकारी के सुपरविजन में थाना प्रभारी सुरेश गुर्जर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को पीड़ित के बेटे हितेश पर शक हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने चोरी करना कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदी है और कर्ज में डूब चुका था। कर्ज चुकाने के लिए उसने अपने ही घर से मां, पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के जेवर तथा नकदी चोरी कर ली।

आरोपी ने चोरी का माल अपने दोस्त की कार में छिपाकर रखा था ताकि किसी को उस पर शक न हो। इतना ही नहीं, पुलिस जांच के दौरान वह खुद भी मौके पर मौजूद रहकर पुलिस पर जल्द खुलासा करने का दबाव बना रहा था। उसकी संदिग्ध गतिविधियों के चलते पुलिस का शक गहराया और आखिरकार मामला खुल गया। पुलिस ने आरोपी हितेश रैगर (31) निवासी बिचुन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 3 लाख 27 हजार 964 रुपए नकद, करीब 8 तोला सोने के आभूषण और डेढ़ किलो चांदी के जेवर बरामद किए हैं। वारदात में इस्तेमाल कार और अलमारी तोड़ने के उपकरण भी जब्त किए गए हैं।

अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टॉलेरेंस की नीति

कोटा में 60 लाख की अवैध शराब ट्रक से बरामद

जयपुर टाइम्स

उदयपुर/जयपुर(कास)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत प्रदेश में एक्शन मोड में अवैध शराब की तस्करी पर कार्रवाई की जा रही है जिसके तहत कोटा में नाकाबंदी कर एक ट्रक की तलाशी लेने पर 60 लाख की अंग्रेजी शराब बरामद की गई। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व हनुमानगढ़, उदयपुर व जोधपुर में भी ट्रकों से अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप जब्त की गई है। आबकारी विभाग की कार्रवाई से प्रदेश में अन्य राज्य की शराब तस्करी पर रोक लगाने व राजस्व क्षति को रोकने में सहायता मिलेगी।

1360 कार्टन में 65280 पव्वे बरामद:

अतिरिक्त आयुक्त कोटा जोन नरेश कुमार मालव ने बताया कि आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में अवैध शराब के विरूद्ध गश्त, नाकाबंदी व दबिश की कार्रवाई जारी है। इसी के तहत मुखबिर की सूचना पर कोटा में रविवार रात्रि नेषनल हाईवे 52 नया टोल प्लाजा गोपालपुरा के समीप नाकाबंदी के तहत ट्रक को रोककर तलाशी लेने पर टाट की बोरियों के नीचे कार्टन में छुपाकर रखी गई फोर सेल इन चंडीगढ़ शराब की बड़ी खेप बरामद की गई। मौके पर ब्रांड राजस्थानी व्हीस्की के 1360 कार्टन में 65 हजार 280 पव्वे बरामद हुए। उक्त

शराब की अनुमानित कीमत 60 लाख रूपए आंकी गई है। उक्त कार्रवाई में जिला आबकारी अधिकारी बारां देवेन्द्र गिरी, जिला आबकारी अधिकारी कोटा विवेक शर्मा, सहायक आबकारी अधिकारी, नारायण सिंह तोमर के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई के दौरान आबकारी निरीक्षक चेतन, प्रदीप मीणा, पीओ प्रमोद सिंह, हंसराज मीणा, पृथ्वीराज सिंह मीणा मय जाप्ता शामिल रहे।

जीरो टॉलरेंस की नीति:

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने प्रदेष में अवैध शराब की तस्करी पर रोक के लिए समस्त अधिकारियों को जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए निर्देषित किया है। उन्होंने बीते दिनों विषेष निरोधात्मक अभियान की समीक्षा वीसी में कहा कि जिन जिलों में अवैध मदिरा पर प्रभावी कार्रवाई नही हुई है वहां अभियान को जारी रखा जाएगा। प्रदेष में अन्य राज्य की अवैध शराब की तस्करी, निर्माण, विक्रय पर प्रभावी अंकुष के लिए सजगता से कार्य नही करने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

सांभरलेक पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन: एरिया डोमिनेशन अभियान में 18 वारंटी दबोचे, जुआ खेलते 2 आरोपी भी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निस)। जयपुर ग्रामीण पुलिस की अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त होती कार्रवाई के बीच सांभरलेक थाना पुलिस ने एरिया डोमिनेशन अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 18 वारंटियों सहित जुआ अधिनियम में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया, वहीं आमजन में सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर विश्वास मजबूत हुआ है। क्षेत्रभर में सांभरलेक पुलिस की सक्रिय कार्यशैली और मुस्तैदी की जमकर सराहना हो रही है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि जयपुर रेंज के निर्देश पर 16 से 17 मई तक जिलेभर में असामाजिक तत्वों और वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए

विशेष एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा और वृत्ताधिकारी सांभरलेक अनुपम मिश्रा के निर्देशन में थाना प्रभारी राममिलन मीणा के नेतृत्व में तीन अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर वर्षों से फरार और वांछित चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस ने अभियान के दौरान स्थायी वारंटी पुरानी मदर टेरेसा स्कूल दरबार स्कूल रोड सांभरलेक निवासी सुदेश कुमार वर्मा, पीपला की ढाणी नागौरपुरा निवासी गुलाबचंद तथा मालियों का मोहल्ला वार्ड 12 सांभरलेक निवासी संतोष कुमार सैनी को गिरफ्तार किया। इनमें गुलाबचंद के खिलाफ तीन तथा संतोष कुमार सैनी के खिलाफ दो स्थायी वारंट लंबित चल रहे थे। इसी प्रकार गिरफ्तारी वारंट में व्यासों का कुआं देवयानी रोड सांभरलेक निवासी कानाराम कुमावत, तेली दरवाजा नकासा रोड निवासी गोविंद, ठठेरों का मोहल्ला निवासी गौरीशंकर, चौसला निवासी शिवकरण, जीवनधारा कॉलोनी सांभरलेक निवासी कुलदीप सिंह, रामनगर रेलवे स्टेशन के पास निवासी नाथूलाल कुम्हार, नेहरू कॉलोनी निवासी जयकिशन उर्फ जैकी, गौरवपुरा लूणवा निवासी ओमप्रकाश तथा बिंगोलाव पोस्ट हावड़ा निवासी भागचंद को गिरफ्तार किया गया। कुलदीप सिंह के खिलाफ दो गिरफ्तारी वारंट लंबित थे। इसके अलावा पुलिस ने जुआ अधिनियम के तहत आलमपुरा छोटा बाजार सांभरलेक निवासी शकील खान उर्फ कालू तथा आर्य समाज के पीछे निवासी भगवानदास को गिरफ्तार कर मौके से 800 रुपये की जुआ राशि और 52 ताश के पत्ते जब्त किए। कार्रवाई के दौरान बिना परमिट अवैध रूप से चेजा पत्थर से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली भी जब्त की गई। पूरे अभियान में थाना प्रभारी राममिलन मीणा के साथ रमेश चंद्र, मूलचंद, रामचंद्र, रमेश कुमार, महेश कुमार, लोकेश सिंह, ओमप्रकाश, प्रभुनारायण, मनीष कुमार, श्यामलाल, राजपाल सिंह और राजेंद्र कुमार सहित पुलिस टीम ने अहम भूमिका निभाई। लगातार की जा रही सख्त कार्रवाई से अपराधियों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने सांभरलेक पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस की सक्रियता से क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लग रहा है और आमजन खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'गवर्नर' का टीजर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 1990 के दशक के भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट पर आधारित है। मनोज बाजपेयी ने फिल्म में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर की भूमिका निभाई है। उनका किरदार आरबीआई के तत्कालीन गवर्नर एस. वेंकटरमणन के जीवन से प्रेरित है।

मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर 'द साइलेंट सेवियर गवर्नर' का पोस्टर सामने आने के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। अब मेकर्स ने इसका दमदार टीजर भी जारी कर दिया है, जो बेहद दिलचस्प मालूम पड़ता है। फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है और 1990 के दशक में भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट (इकोनॉमिक मेल्टडाउन) की कहानी को सामने लाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी पहली बार आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे। टीजर में 1990 के समय की कहानी को दिखाया गया है, जब देश पर आर्थिक संकट आया था। उसके बाद कैसे एक आरबीआई गवर्नर ने एक साइलेंट सेवियर की भूमिका निभाते हुए देश को इस आर्थिक संकट से उबारा था। टीजर में मनोज बाजपेयी के अलावा अदा शर्मा और फिल्म की बाकी कास्ट की भी हल्की सी झलक देखने को मिलती है। मनोज बाजपेयी की 'गवर्नर' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

'द केरल स्टोरी' के मेकर्स ने किया है निर्माण

विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित 'गवर्नर' को मराठी सिनेमा के पावर-परफॉर्मर चिन्मय मांडलेकर ने निर्देशित किया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ अदा शर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है। फिल्म में जावेद अख्तर के गीत और अमित त्रिवेदी का संगीत है।

इंस्पेक्टर अविनाश में विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक बार फिर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के नए सीजन में पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आने वाली हैं। इस बीच उर्वशी ने अपने किरदार और एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी पब्लिक इमेज हमेशा ग्लैमर से जुड़ी रही है, लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट्स में दिखावे से ज्यादा सच्ची भावनाओं की जरूरत होती है। उर्वशी ने आईएएनएस से बताया कि एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने के लिए 'परफॉर्मेंस वैनिटी' यानी परफेक्ट दिखने की सोच को छोड़ना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने कहा, 'लोग अक्सर मुझसे हर फ्रेम, हर एक्सप्रेशन और हर पल में परफेक्शन की उम्मीद करते हैं, क्योंकि मेरी छवि ग्लैमरस रही है। लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी मांगती हैं।' एक्ट्रेस ने कहा कि इस किरदार के लिए उन्होंने खुद को ज्यादा 'प्रेजेंट' रखने पर ध्यान दिया उर्वशी ने कहा, 'असल जिंदगी में मुश्किल हालात से गुजर रहे लोग यह नहीं सोचते कि वे कैसे दिख रहे हैं। वे सिर्फ प्रतिक्रिया दे रहे होते हैं, हालात से जूझ रहे होते हैं और भावनाओं को महसूस कर रहे होते हैं। एक अभिनेता के तौर पर इस सच्चाई को समझना मेरे लिए बेहद जरूरी था।' उर्वशी ने यह भी कहा कि संयमित अभिनय यानी कम शब्दों और शांत अभिनय के जरिए भावनाएं दिखाना ज्यादा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'मौन, स्थिरता और नियंत्रित भावनाएं के लिए अलग तरह का आत्मविश्वास चाहिए होता है। कई बार कम करके सच दिखाना, ज्यादा ड्रामेटिक होने से भी कठिन होता है।' उर्वशी ने कहा, 'एक कलाकार के तौर पर, यह उनके लिए यकीनन आजादी देने वाला अनुभव था, क्योंकि इसने मुझे हर पल अपनी इमेज बनाए रखने के दबाव के बिना, अपनी भावनाओं को दिखाने का मौका दिया।' बता दें कि 'इंस्पेक्टर अविनाश' पहली बार साल 2023 में रिलीज हुई थी। इस सीरीज में रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका में हैं। यह शो यूपी के सुपरकॉप अविनाश मिश्रा की जिंदगी और सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें राज्य में अपराध रोकने की कहानी दिखाई गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला आखिरी बार फिल्म 'डाकू महाराज' में नजर आई थीं।

तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर 'अगली स्टोरी' में नजर आएंगी अविका गौर

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'अगली स्टोरी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि 'टॉक्सिक' और 'जुनून' के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे। उन्होंने कहा, 'फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं।' अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। 'अगली स्टोरी' दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है।

रियलिटी शो होस्टिंग में डेब्यू करेंगी रुबीना

मूविंग इमेज स्टूडियोज ने अपने नए नॉन-फिक्शन शो 'द वार्ड' की घोषणा कर दी है, जिसे रुबीना दिलैक होस्ट करेंगी। यह एक रियलिटी शो है, जो मां बनने की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सच्चाइयों को बहुत सही तरीके से दिखाएगा।

इस शो में 10 गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक एक छत के नीचे रहेंगी। इस शो को मेटरनिटी वार्ड जैसी सेटिंग में फिल्माया गया है। यह शो, मां बनने की राह पर उनकी असली भावनाओं, विचारों और रिश्तों को ईमानदारी से दिखाएगा। ये महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों से आई हैं। वे धीरे-धीरे अपने निजी अनुभव साझा करेंगी, एक-दूसरे से जुड़ेंगी और बातें करेंगी। इन बातों में शामिल होंगे- समाज की उम्मीदें, लड़कियों के प्रति भेदभाव, करियर की चाहत, परिवार में बदलते रिश्ते और मां बनने की चुनौतियां। रुबीना दिलैक सिर्फ होस्ट नहीं हैं, बल्कि वे सहानुभूति और समझ के साथ इन महिलाओं से जुड़ेंगी। खुद नई मां होने के नाते वे अपने अनुभव भी साझा करेंगी और सभी को सहारा देंगी। यह शो 15 मई को यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। प्रतिभागियों के पति और परिवार वाले भी इस सफर का हिस्सा बनेंगे। वे साथ रहकर सीखेंगे, समझेंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे। शो में 24 घंटे कैमरा, डॉक्टरों की देखभाल और गहरी कहानी सुनाई जाएगी। इससे मातृत्व के सच्चे, कच्चे और दिल को छूने वाले पलों को दिखाया जाएगा।

शो को लेकर रुबीना दिलैक की राय

रुबीना ने अपने सोशल मीडिया पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'मां बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा और भावनात्मक सफर रहा है। यह बहुत खूबसूरत है, लेकिन इतना मुश्किल भी कि कोई आपको पहले से तैयार नहीं कर सकता। 'द वार्ड' उन अनकही भावनाओं को दिखाता है, जिन्हें हम अंदर ही दबा लेते हैं। यह मेरा पहला रियलिटी शो है और मैं कह सकती हूं कि यह हर किसी के लिए भावनाओं का रोलरकोस्टर होगा।'

कुनिका सदानंद ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने नए टीवी एक्टर्स के पेमेंट में हो रही देरी के मुद्दे पर खुलकर बात की है। 'बिग बॉस 19' की पूर्व कंटेस्टेंट कुनिका ने कहा कि यह समस्या कई सालों से चली आ रही है और नए कलाकारों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है।

खास बातचीत में कुनिका सदानंद ने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में तेजी आने के बाद से पेमेंट अक्सर 45 से 90 दिनों तक लेट हो जाता है। उन्होंने इसकी मुख्य वजह भी बताई। कुनिका ने कहा, 'चैनलों को एडवरटाइजर से पैसे देर से मिलते हैं। फिर चैनल प्रोड्यूसर को पैसे देते हैं। इस पूरे कॉर्पोरेट सिस्टम की वजह से देरी होती है। पैसा पहले एडवरटाइजर से चैनल के पास, फिर चैनल से प्रोड्यूसर के पास जाता है। इसलिए स्वाभाविक रूप से देरी हो जाती है। अभिनेत्री ने इस समस्या का एक व्यावहारिक समाधान भी सुझाया। उन्होंने कहा कि नए कलाकारों को अपनी फीस थोड़ी ज्यादा तय करनी चाहिए, लेकिन इसमें भी दिक्कत है, क्योंकि थोड़ी ज्यादा फीस मांगने पर प्रोड्यूसर दूसरे कलाकार को चुन सकते हैं। कुनिका ने आगे कहा, 'हर कलाकार की जिंदगी में एक बफर सिस्टम होना चाहिए, लेकिन यह हर समय मुमकिन नहीं होता। यह एक बहुत गंभीर समस्या है।' उन्होंने बड़े प्रोडक्शन हाउस जैसे बालाजी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास पर्याप्त रिजर्व फंड होता है, इसलिए उनसे समय पर पेमेंट की उम्मीद की जा सकती है। यह पहली बार नहीं है जब टीवी इंडस्ट्री में पेमेंट देरी का मुद्दा उठा है। इससे पहले वरुण बडोला और अर्जुन बिजलानी भी इस समस्या पर खुलकर बोल चुके हैं। कुनिका सदानंद का कहना है कि छोटे और नए कलाकारों को परेशानियों सामना करना पड़ता है। टीवी इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों के लिए समय पर भुगतान सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कुनिका ने उम्मीद जताई कि प्रोड्यूसर्स और चैनल इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करेंगे ताकि नए कलाकारों को आर्थिक परेशानी न झेलनी पड़े।

इस बार लोग मेरा थोड़ा अलग साइड देखेंगे

टीवी पर हमेशा हंसते, दूसरों को सहज महसूस कराते और हर मुश्किल पल को मजाक में बदल देने वाले ऋत्विक धनजानी इस बार खुद डर के बीच फंसे नजर आएंगे। दरअसल, ऋत्विक 'खतरों के खिलाड़ी 15' में बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेने जा रहे हैं। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले ऋत्विक किसी माचो इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं कर रहे। हाल ही में खास बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर मैं डरूंगा, तो वो दिखेगा भी। ऋत्विक ने अपने गेम प्लान, डर, स्टंट और मेडिटेशन के बारे में खुलकर बात की।

मैं बस रियल रहना चाहता हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले बातचीत में ऋत्विक ने स्वीकार किया कि उन्हें आज भी ऊंचाई से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'हाइट्स हमेशा से मेरे लिए थोड़ा ट्रिगर रही हैं। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो कैमरे के सामने ये दिखाएं कि मुझे किसी चीज से फर्क नहीं पड़ता। अगर डर है तो है। मैं उसे छिपाने वाला नहीं। मुझे लगता है लोग आज बहुत जल्दी नकली चीज पकड़ लेते हैं। इसलिए मैं यहां कोई सुपरहीरो बनने नहीं आया हूं। मैं बस रियल रहना चाहता हूं। अगर किसी स्टंट में मेरी हालत खराब होगी, तो होगी। अगर मैं पैनिक करूंगा, तो वो भी दिखेगा।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वो इस शो के जरिए अपनी कोई इमेज बदलना या तोड़ना चाहते हैं? इस पर एक्टर ने कहा, 'मैं कोई इमेज नहीं तोड़ना चाहता, क्योंकि सच कहूं तो मैंने कभी खुद को किसी इमेज में बांधा ही नहीं। लेकिन हां, लोग मुझे हमेशा हंसते हुए देखते हैं, मजाक करते हुए देखते हैं। इस बार शायद वो मेरा वो साइड भी देखेंगे जो चुप हो जाता है, डरता है और जो खुद से लड़ता है।' शो में खुद को संभालने के लिए ऋत्विक किसी मोटिवेशनल स्पीच पर नहीं, बल्कि मेडिटेशन पर भरोसा कर रहे हैं। क्योंकि उनका मानना है कि स्टंट से ज्यादा लड़ाई आपके दिमाग के अंदर चल रही होती है।

इस बार सेट पर ड्रामा मस्ती ज्यादा होगी

बाकी कंटेस्टेंट्स की बात आते ही ऋत्विक ने फनी अंदाज में कहा कि हर्ष (गुजराल) तो पहले से दोस्त है और मुझे पता है कि हम दोनों मिलकर बहुत पागलपन करने वाले हैं। जैस्मिन (भसीन) के साथ भी बहुत मजा आएगा। सेट पर ड्रामा कम और मस्ती ज्यादा होने वाली है। जब उनसे पूछा गया कि ज्यादा चोट किस चीज से लगेगी, स्टंट हारने से या सबके सामने डर जाने से, तो उन्होंने कहा कि ईगो दोनों में हर्ट हो सकता है। लेकिन शायद ज्यादा तब, जब आप खुद को निराश कर दो।

जिला पुलिस अधीक्षक ने राहगीरों को शरबत पिला कर किया जल मंदिर का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी में राहगीरों को शुद्ध व शीतल जल उपलब्ध कराने के लिये राजस्थान पंचायती राज व माध्यमिक शिक्षक संघ की ओर से सर्किट हाउस के गेट के बगल से शीतल जल की सार्वजनिक प्याऊ जल मंदिर का संचालन प्रारंभ किया। सोमवार को जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने जल मंदिर का फीता काटकर व अपने हाथों से राहगीरों को शरबत पिलाकर सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ किया।शुरुआत में संघ के पूर्व प्रांतीय महामंत्री व अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा ने गुलदस्ता भेंट कर एसपी का स्वागत किया। इस मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास

सांगवान ने कहा कि गर्मियों के मौसम में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य होता है। जिले के भामाशाहों व समाजसेवियों को इस तरह के पुनीत कार्यो में अपनी भागीदारी बढ़ चढ़ कर निभानी चाहिए क्योंकि गर्मी की ऋतु में प्याऊ इन्शान के लिये बरदान साबित होती है। एसपी ने शिक्षक संघ के पदाधिकारियो की ओर से आपसी सहयोग से शीतल जल की प्याऊ का संचालन शुरू किये जाने की सराहना कर उन्हे बधाई दी। समाजसेवी रमेश चंद्र अग्रवाल व प्रवर्तन अधिकारी जगदीश प्रसाद शर्मा ने कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल से ही लोगों को पानी के लिए प्याऊ संचालन की परंपरा रही है। नर सेवा नारायण सेवा के समान हैं गर्मियों में जल ही जीवन होता है। शिक्षकों ने प्याऊ लगाकर बेहद प्रेरणा दाई कार्य किया है।संघ के पूर्व प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा ने कहा कि इन दिनों जिले में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। संघ के पदाधिकारियों की ओर से आपसी सहयोग से बीते इस बार 12 वीं साल जल मन्दिर सार्वजनिक प्याऊ का संचालन शुरू किया गया है। पूरी गर्मियों की ऋतु में राहगीरों व आम जन को शुद्ध व शीतल जल उपलब्ध कराया जाएगा। संघ के जिलाध्यक्ष हरीसिंह गुर्जर ने कहा कि संगठन के पदाधिकारी केवल अपनी मांगों के लिए ही कार्य नहीं करते हैं,बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी भूमिका निभाते आ रहे हैं। आमजन में शिक्षक समाज की छवि निखरे इसीलिए संगठन की ओर से लगातार जन सेवा के कार्य भी किए जाते। जिलामंत्री चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि जल मंदिर पर पहले दिन शरबत पिलाकर प्याऊ की शुरूआत की गई। इस मौके पर समाजसेवी रमेश चंद्र अग्रवाल, अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष ऋषि मित्तल संघ के सभाध्यक्ष अलिंद चौहान कोषाध्यक्ष नंदकिशोर लोधी, अनिल मिश्रा, केदार सिंह बघेल, राजेश कुमार शर्मा ,अनिल शर्मा, फिरोज खान, बालकिशन शर्मा, लोकेंद्र गर्ग, अनिल गिरी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

'परिंडे लगाओ अभियान' बना पक्षियों का सहारा

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। भीषण गर्मी के दौर में बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के उद्देश्य से तखतगढ़ में 'परिंडे लगाओ अभियान' की शुरुआत की गई। उप तहसीलदार जितेन्द्र बबेरवाल की पहल पर उप तहसील कार्यालय परिसर और आसपास के पेड़ों पर मिट्टी के परिंडे लगाए गए, ताकि पक्षियों को गर्मी में शीतल पानी मिल सके। अभियान की शुरुआत के साथ ही लोगों में उत्साह देखने को मिला और दानदाताओं के सहयोग से क्षेत्रभर में 2000 परिंडे लगाने की योजना बनाई गई है। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक स्थानों पर परिंडे लगाकर पक्षियों को राहत पहुंचाना है। इस मौके पर नगर पालिका के निवर्तमान उपाध्यक्ष मनोज नामा, पांचौटा नागणेशिया माता ट्रस्ट अध्यक्ष जब्बरसिंह तरवाड़ा, जेईएन आकाश गौमतीवाल, रामसिंह एवं कानूनगो कन्हैयालाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और जीवदया का संदेश भी दिया गया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक कदम बताया।

राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस)। राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर लोक सेवक कल्याणकारी योजना आरजीएचएस को सुचारू रखने,राज्य बीमा, जी.पी.एफ., अन्य ऋण व लीव इनकेशमेन्ट की राशि के प्रकरणों का समय पर भुगतान करने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि आरजीएचएस योजना से वर्तमान में समय पर इलाज नहीं मिल पाना तथा कई गैर सरकारी चिकित्यालयों की ओर से इस योजना के अन्तर्गत समय पर उपचार नहीं मिलने तथा कई अस्पतालों की ओर से योजना को बंद किए जाने से गम्भीर बीमारी से ग्रसित कार्मिक व पेन्शनर्स को मानसिक व आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही तहसीलदारों के पदस्थापन आदेश जारी करने व जिला कलक्टर कार्यालयों में आवंटित पदौन्नति के पदों को डीपीसी की जा कर भरने की मांग भी की गई।

21 मई को धौलपुर आएंगे किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी

तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। भाजपा किसान मोर्चा की बैठक सोमवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में 21 मई को किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी के धौलपुर आगमन को लेकर तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह कंसाना ने की। भाजपा जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत सहित पदाधिकारियों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भारत माता के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। बैठक में किसानों की समस्याओं, केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ और कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान हेमसिंह लोधा, बृज किशोर लोधी, संजय परमार, हुकम सिंह लोधी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धौलपुर पुलिस ने महिलाओं को दिए आत्मरक्षा के गुर, जागरूकता शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से धौलपुर पुलिस की ओर से लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उन्नत सहेली संस्थान सीएएलएफ और धौलपुर पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में शहर के पोखरा क्षेत्र में 'लखपति दीदी' महिलाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में महिला पुलिस टीम की कांस्टेबल मुन्नी देवी और शबाना खान ने महिलाओं को आत्मरक्षा के प्रभावी तरीके सिखाए तथा आपात स्थिति में सतर्कता और सुरक्षा के उपाय बताए। वहीं निहालगंज थानाधिकारी अमित शर्मा ने महिला सुरक्षा कानून, साइबर अपराध, ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया सुरक्षा और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। कार्यक्रम में महिलाओं को मोबाइल और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के प्रति भी जागरूक किया गया। उपस्थित महिलाओं ने शिविर को उपयोगी बताते हुए धौलपुर पुलिस की पहल की सराहना की।

वनखंडी हनुमान मंदिर विवाद गहराया: ग्रामीणों ने मंदिर संचालन समिति को सौंपने की उठाई मांग

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। समोला स्थित प्राचीन वनखंडी हनुमान मंदिर को लेकर विवाद अब गहराता नजर आ रहा है। समोला और भैंसाक गांव के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मंदिर और गौशाला का संचालन ग्राम स्तरीय मंदिर प्रबंधन समिति को सौंपने की मांग की है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि करीब 150 वर्ष पूर्व उनके पूर्वजों की ओर से मंदिर में हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित कराई गई थी तथा मंदिर का निर्माण और विकास गांववासियों के सहयोग से हुआ। उनका कहना है कि मंदिर के नाम दर्ज भूमि भी ग्रामीणों की ओर से दी गई थी, इसलिए मंदिर की पूजा-अर्चना, सेवा, आरती, गौशाला संचालन और रखरखाव का पहला अधिकार गांववासियों का है।

ग्रामीणों के अनुसार पिछले कई वर्षों से महंत अजय मिश्रा मंदिर और गौशाला का संचालन कर रहे थे तथा गौशाला में 104 गौवंश की देखभाल की जा रही थी। पशुपालन विभाग द्वारा भी समय-समय पर निरीक्षण किया जाता रहा है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि अयोध्या के महंत कुलदीप दास और उनके सहयोगियों ने 28 अप्रैल 2026 को गौशाला से गौवंश को भगा दिया और पशु आहार को नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों का कहना है कि गौशाला निर्माण के लिए स्वीकृत 40 लाख रुपए की पहली किश्त जारी होने के बाद विवाद खड़ा हुआ है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मंदिर से महंत प्रथा समाप्त कर समोला ग्राम की मंदिर प्रबंधन समिति को मंदिर और गौशाला संचालन की जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि मंदिर की व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

बाड़ी पुलिस की अनूठी पहल: सड़क सुरक्षा अभियान में 44 हेलमेट बांटे

वाहन चालकों को दिलाई सुरक्षा की शपथ

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि कम करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'जीवन रक्षा सड़क सुरक्षा अभियान' के तहत बाड़ी पुलिस ने अभिनव पहल करते हुए तुलसीवन रोड क्षेत्र में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। अभियान जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार 4 मई से 31 मई तक संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बाड़ी, वृत्ताधिकारी बाड़ी और थाना प्रभारी की मौजूदगी में क्षेत्र के नागरिक, सीएलजी सदस्य, पुलिस मित्र और यूथ सीएलजी सदस्य शामिल हुए। इस दौरान गोद लिए गए बीट क्षेत्र के दुपहिया वाहन चालकों को कम्युनिटी पुलिसिंग और समाजसेवियों के सहयोग से 44 हेलमेट वितरित किए गए। साथ ही वाहन चालकों को हेलमेट

पहनकर ही यात्रा करने की शपथ दिलाई गई। पुलिस ने होर्डिंग, पोस्टर, पंपलेट और स्टिकर्स के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। अभियान के तहत तुलसीवन रोड पर लगातार नाकाबंदी कर नियमों की पालना सुनिश्चित कराने के लिए कार्रवाई भी की जा रही है।

इस मौके पर यूथ सीएलजी सदस्यों को प्रिंटेड टी-शर्ट और कैप वितरित कर कम्युनिटी पुलिसिंग में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दिलाया गया।

पेयजल, विद्युत व चिकित्सा विभाग के अधिकारी समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें:जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। जिला कलक्टर डॉ प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई जिसमें उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा की।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने केंद्र सरकार व राज्य सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को इन योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी व ग्रामीण), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पंडित दीनदयाल गरीबी मुक्त गांव योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थय अवसंरचना मिशन, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, पी एम कुसुम योजना सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को इन योजनाओं के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम में नवीन परिवारों को जोड़ने एवं तथा राजीविका के तहत नमो ड्रोन दीदी, लखपति दीदी, सोलर दीदी, कृषि सखी, पशु सखी एवं बैंक सखी कार्यक्रमों के माध्यम से पात्र महिलाओं का नामांकन सुनिश्चित करने की बात कही।

जिला कलक्टर ने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल, विद्युत व चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करने के साथ ही उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संपर्क पोर्टल पर परिवादों की हो नियमित मॉनिटरिंग

जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं की विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिदंबरा परमार, एसीएफ भंवर सिंह सोढा, जिला रसद अधिकारी नमिता नरवाल, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक कपिल लूणा सहित अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

पंचपीर बाबा उर्स में गूंजे कौमी एकता और देशभक्ति के तराने

भव्य कव्वाली मुकाबले ने बांधा समां

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले के सैंपऊ कस्बे स्थित पंचपीर बाबा के सालाना उर्स पर आयोजित भव्य कव्वाली मुकाबले में हिंदू-मुस्लिम एकता और देशभक्ति के तरानों ने देर रात तक समां बांधे रखा। देशभर से पहुंचे मशहूर कव्वालों की प्रस्तुतियों पर हजारों श्रोता झूम उठे और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा पंडाल गूंजता रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बलविंदर सिंह कंग और हरनेक सिंह कंग मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता बाड़ी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी प्रशांत सिंह परमार ने की। कार्यक्रम की शुरुआत अंजुमन मेला कमेटी अध्यक्ष हसन अल्वी एवं कमेटी सदस्यों द्वारा अतिथियों के साफा और माला पहनाकर स्वागत से हुई। कव्वाली मुकाबले में मशहूर कव्वाल मुजम्मिल शाबरी, तजुम्मिल शाबरी और कव्वाला जेवा रानी ने सूफियाना कलाम, देशभक्ति गीत और कौमी एकता का संदेश देती शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में मौजूद लोग पूरी रात कव्वालियों का आनंद लेते रहे।

इस दौरान कृष्णा परमार, सुखवेन्द्र सिंह परमार, संजीव परमार, भोलू परमार, बृजेश बघेल, ओम पहाड़िया, रामवीर पहाड़िया, उदय कुशवाहा, नसरू खान, जावेद फारुकी, सद्दाम मिर्जा, मनीष मिर्जा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन राजवीर सिंह परमार ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्याम सुंदर शर्मा, राहुल मिर्जा, मंगल ठाकुर, खाजू खान, कमल सिंह कुशवाह, नासिर अली, राशिद खान, सुराज खान और योगेश तमोरी सहित अंजुमन मेला कमेटी के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में कमेटी अध्यक्ष हसन अल्वी ने सभी अतिथियों और सर्व समाज के लोगों का आभार जताया।

एसबीआई लाइफ का मातृ दिवस पर माताओं का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस धौलपुर शाखा की ओर से मातृ दिवस के अवसर पर भावनात्मक व प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कर्मचारियों और लाइफ मित्रों की माताओं को विशेष रूप से आमंत्रित कर माला, शॉल व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने अपनी माताओं के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। भावुक माहौल में माताओं ने अपने बेटे-बेटियों के उज्ज्वल भविष्य और सफलता की कामना की। ब्रांच मैनेजर अभिनव शर्मा ने कहा कि मां जीवन की पहली गुरु होती है और उनके आशीर्वाद से ही व्यक्ति को संस्कार और सफलता मिलती है। उन्होंने सभी से माताओं के त्याग और प्रेम का सम्मान करने की अपील की। कार्यक्रम में करीब 100 लोग मौजूद रहे। इस दौरान अवनीश शुक्ला, कल्पना चाहर, रोताश सिंह गुर्जर, मनोज शर्मा, पुष्पेंद्र शर्मा, नरेश यादव, मोहम्मद साकिर, इंद्रवान यादव, विनोद शुक्ला, कुलदीप प्राणा, शिवानु शर्मा व मृदुल उपाध्याय सहित कई लोग उपस्थित रहे।

'विज्ञान के रंग, भारतीय मानक ब्यूरो के संग' प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय धौलपुर के स्टैण्डर्ड क्लब 4378 की ओर से विद्यार्थियों के लिए 'लर्निंग साइंस वाया स्टैण्डर्ड' लेखन एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानाचार्य अर्चना मिश्रा ने किया। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो की ओर से संचालित स्टैण्डर्ड क्लब की गतिविधियों की सराहना करते हुए नवीन सत्र के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। कार्यक्रम में भारतीय मानक ब्यूरो के आरएसटी अतुल चौहान ने विद्यार्थियों को विज्ञान के मॉडल और मानकों की उपयोगिता समझाई तथा बरनौली प्रमेय की जानकारी दी। क्लब मेंटर अनुपम पाराशर ने दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले उत्पादों, डिजाइन, लाइसेंस और लोगो निर्माण में मानकों की भूमिका बताई। साथ ही फायर एक्सटिंग्विशर के मानकों का लाइव डेमो भी प्रस्तुत किया। उप प्राचार्य मंजू जादौन और भगवान सिंह मीणा ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सत्यनिष्ठा का संदेश दिया। कार्यक्रम में स्टूडेंट लीडर चाहत चौधरी ने क्लब की आगामी गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। अंत में प्रतिभागियों को पुरस्कार और अल्पाहार वितरित किया

सांडेराव थाने में स्टाफ की कमी, 18 गांवों की सुरक्षा पर बढ़ी चिंता

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। पाली जिले के सांडेराव थाना क्षेत्र में पुलिस स्टाफ की भारी कमी के चलते कानून व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। थाने में स्वीकृत 42 पदों में से वर्तमान में केवल 8 पुलिसकर्मी कार्यरत हैं, जबकि 34 पद रिक्त पड़े हैं। ग्रामीणों का कहना है कि स्टाफ की कमी के कारण क्षेत्र में गश्त व्यवस्था प्रभावित हो रही है। थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी भी सीमित संसाधनों के बीच संचालित हो रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रात्रिकालीन गश्त कम होने से चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों की आशंका बढ़ रही है। मारवाड़ गोड़वाड़ जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष जयदेव सिंह राणावत ने प्रशासन से जल्द अतिरिक्त पुलिस जाब्ता लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

थाना प्रभारी श्याम राज सिंह चारण ने बताया कि स्टाफ की कमी के कारण कार्य प्रभावित हो रहा है तथा अतिरिक्त जाब्ते के लिए उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। वहीं डीवाईएसपी जितेन्द्र सिंह राठौड़ ने भी रिक्त पदों को भरने के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
19 मई, 2026

अमर नगर सी विकास समिति के चुनाव सम्पन्न, भानु प्रताप सिंह राजावत बने अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। खातीपुरा स्थित अमर नगर सी विकास समिति के चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया में समिति सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें भानु प्रताप सिंह राजावत को अध्यक्ष, मदन लाल जाट को उपाध्यक्ष, राज कमल छीपा को सचिव और रामेश्वर जाट को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा 11 कार्यकारिणी सदस्यों का भी मनोनयन किया गया। समिति के संरक्षक के रूप में बाछू लाल यादव को नामित किया गया। चुनाव अधिकारी नंद किशोर चौधरी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह भाटी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने क्षेत्र के विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। समिति सदस्यों और क्षेत्रवासियों ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

सहायक आचार्यों को प्रोबेशन पूर्ण करने पर वेतनवृद्धि के वर्ष में विकल्प देने की माँग

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान विश्वविद्यालय व महाविद्यालय शिक्षक संघ (रूक्टा) ने 2018 के बाद से राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों में नियुक्त सहायक आचार्यों को वार्षिक वेतनवृद्धि के लिए जनवरी और जुलाई , वर्ष में दो विकल्प देने की माँग की है । संगठन के महामंत्री डॉ बनय सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के अन्य विभागों में कर्मचारियों को प्रोबेशन पूर्ण करने के बाद उनकी नियुक्ति तिथि के अनुसार वार्षिक वेतनवृद्धि के लिए 2023 के बाद से सभी राज्य कर्मचारियों को 1 जनवरी और 1 जुलाई के दो विकल्प दिए हैं। विकल्प के अनुसार यदि किसी की नियुक्ति 1 जनवरी से 30 जून के मध्य हुई है तो उसे 1 जुलाई को और यदि नियुक्ति 1 जुलाई से 31 दिसंबर के मध्य हुई है तो 1 जनवरी को वेतनवृद्धि को चुना जा सकता है । किन्तु यह विकल्प महाविद्यालय के सहायक आचार्यों को नहीं दिया गया है । इसलिए रूक्टा संगठन ने इस नीति को भेदभावपूर्ण बताते हुए सहायक आचार्यों के लिए भी वार्षिक वेतनवृद्धि के लिए जनवरी व जुलाई दोनों विकल्प देने की माँग की है । संगठन के अध्यक्ष डॉ रघुराज परिहार ने बताया कि अभी 2 वर्ष का प्रोबेशन पूरा करने पर सहायक आचार्य को ठीक बाद आने वाली 1 जुलाई को ही वेतनवृद्धि मिलती है । इससे 2018 के बाद नियुक्ति पाने वाले क़रीब 2300 सहायक आचार्यों को नुक़सान हो रहा है । 2023 में किये गए नियम संशोधन को सिर्फ कॉलेज शिक्षकों पर लागू नहीं किया गया है, जबकि भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय ने भी 2017 के नियमों में संशोधन कर उच्च शिक्षा के शिक्षकों को वेतनवृद्धि के लिए प्रथम जनवरी तथा प्रथम जुलाई का विकल्प देने के लिए राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं। संगठन ने कॉलेज शिक्षा आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर राज्य सरकार से शिक्षकों को वेतन वृद्धि के दोनों विकल्प देने की पुरजोर माँग की है ।

कलेक्टर ने किया तकनीकी बूट कैंप इनोवेटिव चूरू का शुभारंभ

वर्तमान में युवाओं के पास आधुनिक तकनीकी ज्ञान व कौशल दक्षता होना जरूरी:सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला मुख्यालय स्थित राजकीय लोहिया महाविद्यालय सभागार में तकनीकी बूट कैंप 'इनोवेटिव चूरू' का शुभारंभ सोमवार को जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए सुराणा ने कहा कि आज के समय में युवाओं के पास आधुनिक तकनीकी ज्ञान व कौशल दक्षता होना आवश्यक है। युवाओं को तकनीकी व नवाचार के साथ कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इनोवेटिव चूरू बूट कैंप विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान, नवाचार व संचार कौशल विकसित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि बूट कैंप इनोवेटिव चूरू के माध्यम से जिला प्रशासन विद्यार्थियों को नई संभावनाओं से जोड़ने तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिये प्रयासरत है। सीडीईओ संतोष महर्षि ने बताया कि यह बूट कैंप 16 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा। कैंप के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकी प्रशिक्षण सत्रों के साथ-साथ स्पोकन इंग्लिश कोर्स भी करवाया जाएगा, जिससे उनके व्यक्तित्व व रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी। प्रशिक्षण सत्रों में प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप सोच, टीम वर्क, कम्युनिकेशन स्किल्स व प्रेजेंटेशन स्किल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। गौरतलब है कि बूट कैंप में जिले के विभिन्न राजकीय विद्यालयों के कुल 41 विद्यार्थियों ने एनरोल किया। इस दौरान लोहिया महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मंजू शर्मा, डीओआईटी एसीपी नरेश दुहानिया, एसीपी विनोद कुमारी, गौरव शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

बीदासर रीको एरिया में बड़ा खतरा : ट्रांसफॉर्मर और 11 केवी लाइन के नीचे पड़ा चारे का विशाल स्टॉक, कभी भी हो सकता है हादसा

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे के रिको इंडस्ट्रीज़ एरिया में खुले में पड़ा चारे का विशाल स्टॉक उद्योग क्षेत्र के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। ट्रांसफॉर्मर और 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के बेहद नजदीक रखा गया। यह चारा कभी भी बड़ी आगजनी का कारण बन सकता है। क्षेत्र में संचालित फैक्ट्री संचालकों और स्थानीय लोगों में इसे लेकर लगातार भय और चिंता का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार रिको द्वारा आवंटित एक प्लॉट पर बड़े पैमाने पर चारे का भंडारण किया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस स्टॉक से महज करीब 25 फीट दूरी पर

ट्रांसफॉर्मर लगा हुआ है, जबकि ऊपर से 11 केवी हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। गर्मी के मौसम में शॉर्ट सर्किट या तारों से निकलने वाली चिंगारी किसी भी समय भयावह हादसे को जन्म दे सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चारे के इस विशाल ढेर के पास करीब 200 मीटर दूरी पर एक स्क्रैप फैक्ट्री भी संचालित हो रही है, जहां स्क्रैप जलाकर तांबा तैयार किया जाता है। फैक्ट्री में रोजाना तेज आग की लपटें उठती हैं और भारी मात्रा में धुआं निकलता है। कई बार दूर से देखने पर ऐसा लगता है मानो फैक्ट्री में आग लगी हो। लोगों का आरोप है कि वहां से उड़ने वाली चिंगारियां हवा के साथ चारे तक पहुंच सकती हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में आग फैलने का खतरा बना हुआ है। मंगलवार को इंयारा कैम्प के पास खेत में खुले में पड़े चारे में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग की घटना ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। उस आग पर करीब 48 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया जा सका था। इसी घटना के बाद अब बीदासर रीको क्षेत्र में रखे गए चारे के इस बड़े स्टॉक को लेकर उद्योग क्षेत्र से जुड़े लोग प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार चारे के इस कथित डिपो के आसपास करीब 35 से 40 फैक्ट्रियां संचालित हैं। ऐसे में यदि यहां आग लगती है तो आसपास की फैक्ट्रियां भी इसकी चपेट में आ सकती हैं। इससे करोड़ों रुपए का नुकसान होने के साथ-साथ जनहानि की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। उद्योग संचालकों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन, रिको प्रबंधन तथा विद्युत विभाग से मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई करने, सुरक्षा मानकों की जांच करवाने तथा खुले में पड़े चारे के स्टॉक को सुरक्षित स्थान पर हटाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

मसितावाली हैड नहर का निरीक्षण किया

विधायक बुड़ानिया ने 200 क्यूसेक पानी की सप्लाई

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। विधानसभा क्षेत्र में गहराते पेयजल संकट को देखते हुए तारानगर विधायक नरेन्द्र बुड़ानिया ने रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मसितावाली हैड नहर का निरीक्षण किया और नहर विभाग के अधिकारियों से क्षेत्र में पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की। विधायक के हस्तक्षेप के बाद अधिकारियों ने नहर में 200 क्यूसेक अतिरिक्त पानी बढ़ाने पर सहमति जताई, जिससे क्षेत्रवासियों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। निरीक्षण के दौरान विधायक बुड़ानिया ने अधिकारियों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बीच क्षेत्र में पानी की समस्या लगातार बढ़ रही थी, जिसे देखते हुए नहर विभाग से तत्काल अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की गई। अधिकारियों द्वारा पानी बढ़ाए जाने के बाद सप्लाई शुरू करवा दी गई है। विधायक बुड़ानिया ने बताया कि हैड से पानी की सप्लाई प्रारंभ हो चुकी है और

आगामी दो दिनों में विधानसभा क्षेत्र के शहरों और गांवों में पानी पहुंचना शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन को पेयजल संकट से राहत दिलाना उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए लगातार विभागीय अधिकारियों से समन्वय किया जा रहा है। इस दौरान निवर्तमान प्रधान संजय कस्वां, मोहरसिंह ज्याणी, ब्लॉक अध्यक्ष वेद प्रकाश सहारण, हरिसिंह बेनीवाल, शीशराम पूनियां, रामस्वरूप झाझड़िया, एडवोकेट पवन योगी, जीताराम जांडू, मुंशी खां तेली, रोहिताश सैनी, बुंदे खां लुहार, कुंदन सैनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झोपड़ी में लगी भीषण आग में, जिंदा जली दो सगी बहने

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे के निकटवर्ती मानपुरा की रोही में रविवार को हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। एक झोपड़ी में अचानक लगी भीषण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया, जिससे अंदर मौजूद दो मासूम सगी बहनें जिंदा जल गईं। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और हर आंख नम नजर आई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि झोपड़ी में मौजूद दोनों बहनों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल पाया। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंच आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज लपटों और धुएं के कारण कोई अंदर नहीं जा सका। देखते ही देखते झोपड़ी आग का गोला बन गई और दोनों बहनें उसमें जिंदा झुलस गईं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। हादसे के बाद सोमवार को जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया तथा अधिकारियों को मामले की गंभीरता से जांच करने के निर्देश दिए। एसपी ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आग लगने के कारणों की जानकारी जुटाई। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं, हालांकि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी हुई है। हादसे के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश और दुख का माहौल है। बड़ी संख्या में लोग पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं। घटना के दौरान बीदासर डीएसपी नेमीचंद चौधरी, एएसआई राजेंद्र सिंह सहित पुलिस जाब्ता मौके पर मौजूद रहा। प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया गया है। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है।

कांग्रेस नेताओं ने किया मटका फोड़ प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय जलदाय विभाग सहायक अभियंता कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेयजल किल्लत की समस्या के विरोध में मटका फोड़ प्रदर्शन किया। शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप तोदी के नेतृत्व में लोगों ने सहायक अभियंता सुनील कुमार का घेराव कर बिना भेदभाव के टैंकरों से पानी की सप्लाई किए जाने की मांग की तथा पेयजल किल्लत पर आक्रोश जताया। कांग्रेस नेता प्रदीप तोदी, मोहम्मद इदरीश गौरी, ओबीसी प्रकोष्ठ कांग्रेस के सह संभाग प्रभारी बजरंग सैन, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष फारूक भूट्टा आदि ने अधिकारी से टैंकरों की नियमित सप्लाई की वार्डवार जानकारी दिए जाने की मांग की। साथ ही कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाए कि प्रत्येक वार्ड में समान रूप से पानी के टैंकर क्यों नहीं भेजे जा रहे। कांग्रेस नेताओं ने नारेबाजी करते हुए सहायक अभियंता कार्यालय में सांकेतिक धरना भी दिया। इस पर सहायक अभियंता सुनील कुमार, कनिष्ठ अभियंता रवि शर्मा ने

जानकारी दी कि अब नहरबंदी खत्म हो रही है, तो जल्द ही क्षेत्र में पानी की व्यवस्था ठीक हो जायेगा। प्रदर्शन के दौरान निवर्तमान उप सभापति अमित मारोठिया, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष फारुख भुट्टा, कांग्रेस नेता अजय ढ़ेनवाल, ओबीसी कांग्रेस के बीकानेर सह प्रभारी बजरंग सेन, सुनीता रावतानी, निवर्तमान पार्षद मधु बागरेचा, विद्याप्रकाश बागरेचा, निवर्तमान पार्षद इकबाल खान कायमखानी, असलम मौलानी, तरुण सियोता, बिलाल भूट्ट, सलीम गौरी, रामनिवास गुर्जर, कन्हैयालाल माली, रामावतार शर्मा, बशीर फौजी, मदन सोनी, रेखाराम मेहरड़ा, धनराज रणवा सहित अनेक कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना की बैठक आयोजित, 2026-27 की कार्ययोजना पर मंथन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के तहत जिला स्तरीय समिति की बैठक सोमवार को जिला कलेक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए योजना की कार्ययोजना तैयार करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित प्रस्तावों, विकास कार्यों एवं जिला स्तर पर जनहित से जुड़ी प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विकास कार्यों को गति देने के लिए सुझाव भी प्रस्तुत किए। जिला कलेक्टर संदेश नायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, जिनसे आमजन को सीधे लाभ मिले और जिले के समग्र विकास को मजबूती मिल सके। उन्होंने विभागों के बीच समन्वय बनाकर समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया। बैठक में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रही।

जयपुर में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक: पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य और विकास योजनाओं पर मंथन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जिला कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें जिले से जुड़े बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य और विकास कार्यों सहित विभिन्न जनहित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जयपुर सांसद मंजू शर्मा, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा एवं सीकर सांसद अमराराम सहित जिले के विधायक और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने गर्मी के मौसम को देखते हुए शहर में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जलदाय विभाग को दिए। उन्होंने आगामी 15 दिनों में एमपी-एमएलए लेड से स्वीकृत पेयजल कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने तथा एक सप्ताह बाद पेयजल समस्याओं की समीक्षा बैठक पुनः आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मानसून से पहले शहर के नाले-नालियों की सफाई कराने, पीएम स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को लाभ पहुंचाने के लिए वार्ड स्तर पर शिविर लगाने तथा द्रव्यवती नदी के सौंदर्यीकरण और विकास के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। इसके अलावा चांदपोल मोक्षधाम में छाया और बैठने की व्यवस्था, मुहाना कृषि मंडी में साफ-सफाई व कचरा निस्तारण तथा एनएचएआई सड़कों के किनारे पौधारोपण पर भी जोर दिया गया। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने नियमित कॉलोनियों तक सड़कों के निर्माण, नरैना सीएचसी में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत और निर्मित आवासों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर के पार्कों के रखरखाव और सौंदर्यीकरण पर भी बल दिया। बैठक में किशोरियों के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर जागरूकता अभियान चलाने, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी पहुंचाने तथा विभिन्न केंद्रीय और राज्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इसमें जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सर्व शिक्षा अभियान और प्रधानमंत्री रोजगार कार्यक्रम सहित कई योजनाएं शामिल रहीं। जिला कलेक्टर संदेश नायक ने बैठक में विकास कार्यों और योजनाओं की प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि जिला प्रशासन की ओर से आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। बैठक में जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा, विधायक बालमुकुंद आचार्य, गोपाल शर्मा, डॉ. शिखा मील बराला, प्रशांत शर्मा, मनीष यादव, महेंद्रपाल मीणा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सुजानगढ़ रूट पर रोडवेज की बड़ी अनदेखी, निजी बस संचालकों की चांदी

सुबह 10 बजे बाद नहीं मिलती एक भी बस

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की लापरवाही और उदासीनता का खामियाजा रतनगढ़ से सुजानगढ़ रूट पर सफर करने वाले हजारों यात्रियों को रोज भुगतना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि सुबह 10 बजे के बाद इस व्यस्त रूट पर शाम तक एक भी रोडवेज बस संचालित नहीं होती, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मजबूरी में लोग निजी बसों और अन्य

साधनों का सहारा लेने को विवश हैं, जबकि निजी बस संचालक इसका जमकर फायदा उठाकर मनमाना किराया वसूल रहे हैं। जानकारी के अनुसार रतनगढ़ से सुबह 10 बजे तक रोडवेज की चार बसें सुजानगढ़ के लिए रवाना होती हैं, लेकिन उसके बाद पूरे दिन रोडवेज की कोई बस उपलब्ध नहीं रहती। इससे दोपहर और शाम के समय यात्रा करने वाले यात्रियों को घंटों बस स्टैंड पर इंतजार करना पड़ता है। कई बार यात्रियों को निजी वाहनों में अधिक किराया देकर सफर करना पड़ता है। यह रूट क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग माना जाता है। रतनगढ़ से सुजानगढ़ के बीच लोहा, भोजासर, पड़िहारा, छापर सहित कई गांव पड़ते हैं, जहां से प्रतिदिन हजारों लोग शिक्षा, व्यापार, नौकरी, चिकित्सा और अन्य कार्यों के लिए आवागमन करते हैं। बस स्टैंड पर आए दिन यात्री सुजानगढ़ जाने वाली रोडवेज बस की जानकारी लेते नजर आते हैं, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रोडवेज विभाग की इस अनदेखी से न केवल आमजन परेशान हैं, बल्कि राज्य सरकार को भी प्रतिदिन लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। यात्रियों का बड़ा वर्ग निजी बसों की ओर मुड़ चुका है, जिससे निजी संचालकों की आय लगातार बढ़ रही है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि रतनगढ़-सुजानगढ़ रूट पर दोपहर और शाम के समय भी रोडवेज बसों का संचालन शुरू किया जाए, ताकि आम यात्रियों को राहत मिल सके और रोडवेज को होने वाले राजस्व नुकसान पर भी रोक लग सके। यात्रियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समक्ष आंदोलन किया जाएगा।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
19 मई, 2026

11 हजार लाइन की चपेट में आने से बंदर घायल

जयपुर टाइम्स

पाटन(निस)। शहर के निकटवर्ती रेला गांव की बावरिया ढाणी में मंगलवार को एक बंदर 11 हजार केवी बिजली लाइन की चपेट में आने से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने तत्काल इन्द्राज पंच को सूचना दी। सूचना पर इन्द्राज पंच मौके पर पहुंचे और पशु चिकित्सक को बुलाया। ग्राम पंचायत घासीपुरा के पशु चिकित्सक राजेंद्र गुर्जर ने मौके पर पहुंचकर घायल बंदर का प्राथमिक उपचार किया। इस दौरान रा.प्रा.वि. रेला के अध्यापक धर्मेंद्र गुर्जर भी जनगणना कार्य के दौरान वहां पहुंचे तथा सहयोग किया। घटना के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे और घायल बंदर की सहायता में जुटे रहे। ग्रामीणों ने वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए बिजली लाइनों के आसपास आवश्यक सावधानी बरतने की मांग की।

उर्दू शिक्षक की नियुक्ति की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे के पीएम श्री धापुदेवी चौरडिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में उर्दू विषय के रिक्त पद को भरने की मांग को लेकर सोमवार को उपखंड अधिकारी अमीलाल यादव को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि विद्यालय में पिछले एक वर्ष से उर्दू विषय के अध्यापक का पद रिक्त चल रहा है, जिससे विद्यालय में अध्ययनरत अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विद्यार्थियों को उर्दू विषय का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है और शिक्षा व्यवस्था लगातार बाधित हो रही है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि साण्डवा की ढाणी भोमपुरा में पद विरुद्ध नियुक्त उर्दू विषय के अध्यापक अशोक कुमार को वर्तमान में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत लगाया गया है। मांग की गई कि उन्हें पुनः धापुदेवी चौरडिया बालिका विद्यालय में लगाया जाए, ताकि छात्राओं की पढ़ाई सुचारू रूप से चल सके। ज्ञापन सौंपने वालों में कांग्रेस कमेटी नगर महामंत्री आरीफ शाह, अनवर मनिहार, मेहनू काजी, अब्दुल कादिर शाह, आरीफ भुट्टा, इरफान भुट्टा, आबिद सोलंकी, मोहम्मद नाजिम खिलजी, साजिद निवारिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चुग्गा-पानी अभियान के तहत लगाए 10 परिंडे

जयपुर टाइम्स

बड़गांव(निस)। श्रीमती गोमती देवी पीजी महाविद्यालय, बड़गांव एवं भारतीय शिक्षा मंडल शेखावाटी क्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को 'चुग्गा-पानी अभियान' के अंतर्गत पक्षियों के लिए 10 नए परिंडे लगाए गए। अभियान का उद्देश्य भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी उपलब्ध कराना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम में डॉ चेतन जोशी ने कहा कि पृथ्वी पर जैव विविधता बनाए रखने में पक्षियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बढ़ती गर्मी में पक्षियों को भी पानी की आवश्यकता होती है, इसलिए समाज को उनके संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य को लेकर एबीआरएसएम द्वारा यह मिशन चलाया जा रहा है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त संभागीय आयुक्त कोटा राजेंद्र सिंह शेखावत, महाविद्यालय निदेशक डॉ सी.एल. शर्मा, प्राचार्या डॉ निधि शेखावत सहित महाविद्यालय स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। सभी ने पक्षियों के संरक्षण और जीवदया के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम के तहत प्रवेश प्रक्रिया

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय जी. एच. एस. राजकीय महाविद्यालय में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर से संबद्ध बी.कॉम. बीएफएसआई के अंतर्गत अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडी) के तहत प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने की अन्तिम तिथि 22 मई है। महाविद्यालय प्राचार्या विनीता चौधरी ने बताया कि यह वर्तमान में चल रहे बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी. के सामान ही तीन वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योग अनुभव प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में किसी भी संकाय से 12 वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रवेश ले सकता है। इस कार्यक्रम में पहले दो वर्षों तक नियमित अध्ययन कराया जाएगा तथा तीसरे वर्ष में विद्यार्थियों को विभिन्न कंपनियों एवं संस्थानों में स्टाइपेंड (12300 रुपए प्रति माह) सहित पूर्णकालिक अप्रेंटिसशिप का अवसर मिलेगा। डिग्री पूर्ण होने तक विद्यार्थियों के पास एक वर्ष का वास्तविक कार्यानुभव होगा।

डाबला विद्यालय में किया ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के निकटवर्ती ग्राम डाबला व्हु राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में छः न्याति ब्राह्मण महासंघ चूरू जिला महिला इकाई की ओर से ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सोमवार को शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक प्रमेन्द्र शर्मा के मुख्य आतिथ्य व महिला जिला इकाई की अध्यक्ष दीपिका शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि लिखमीचंद प्रजापत, मंगलचंद व महावीर प्रसाद थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर किया गया। इस दौरान निर्मला प्रजापत, सुमित्रा, मनीषा, सावित्री, सुशीला व ज्योति ने अतिथियों का पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। शिविर प्रभारी ममता जोशी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि 64 छात्राओं का पंजीकरण हुआ। महिला इकाई अध्यक्ष दीपिका शर्मा ने बताया कि 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। शिविर में विशेषज्ञों की ओर से सिलाई, मेंहदी, ब्यूटी पार्लर व नृत्य का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं द्वारा स्कूटी सिखाने के आग्रह पर महिला इकाई ने उन्हें स्कूटी सिखाने का प्रशिक्षण देने का प्रबंध किया। प्रमेन्द्र शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के शिविर में प्रशिक्षित महिलाएं स्वावलंबी बनकर समाज में मुख्य भूमिका निभा सकेगी। उन्होंने बताया कि व्यक्ति के लिए किसी भी प्रकार का कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता बल्कि उस कार्य में निपुण होकर दूसरों को भी प्रेरणा देता है। इस अवसर पर महिला इकाई की उपाध्यक्ष चंदा बसिया, सुषमा शर्मा, सरिता इंदौरिया, निर्मला शर्मा, ज्योति शर्मा व महिमा शर्मा आदि उपस्थित थी। इस अवसर पर सुरेश फगेड़िया, लाजवंती मुदगल, शारदा गुर्जर व मंजू ने सहयोगी भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संघ शेखावत के प्रदेश उपाध्यक्ष भंवरलाल कस्वां ने किया।

शहीद देशराज सिंह की स्मृति में मैत्री क्रिकेट मैच, काचरेड़ा टीम विजेता

जयपुर टाइम्स

पाटन(निस)। कस्बे के निकटवर्ती गांव धांधेला में शहीद ग्रेनेडियर देशराज सिंह तंवर की स्मृति में काचरेड़ा और धांधेला की टीमों के बीच मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद वीर जवान के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत व दो मिनट का मौन रखकर मैच का शुभारंभ किया गया। मैच के दौरान मैदान में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। चौके-छक्कों के साथ 'शहीद वीर जवान देशराज सिंह अमर रहे' के नारों से वातावरण गूंजता रहा। दर्शकों और खिलाड़ियों में विशेष उत्साह नजर आया। मैच में धांधेला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 17 ओवर में 129 रन बनाए। टीम की ओर से राजू मिस्त्री, राधेश्याम सैनी व प्रेम सैनी ने उपयोगी पारियां खेलीं। जवाब में काचरेड़ा टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर 7 विकेट से जीत दर्ज की। काचरेड़ा की ओर से देवेंद्र सिंह, कल्याण सिंह व महावीर शर्मा ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया, जबकि मदन लाल और राजेंद्र शर्मा की गेंदबाजी निर्णायक रही। अमर सैनी और जेपी सैनी ने भी बेहतर गेंदबाजी का प्रदर्शन किया, लेकिन काचरेड़ा टीम को रोक नहीं सके। अंत में कल्याण सिंह ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। मैच में एम्पायरिंग की जिम्मेदारी सोनू मेघवाल ने निभाई, जिसकी खिलाड़ियों एवं दर्शकों ने सराहना की। प्रतियोगिता में क्षेत्र के पूर्व खिलाड़ियों ने भी भाग लिया तथा शहीद वीर जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की। समापन समारोह में शहीद परिवार के सदस्यों को तिरंगा व शहीद की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गईं। शानदार प्रदर्शन के लिए राकेश सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में आधुनिक तकनीक डीआरएस एवं रिव्यू सिस्टम भी आकर्षण का केंद्र रहा। अंत में पूर्व कप्तान श्रीराम सैनी ने विजेता टीम के कप्तान गोपाल सिंह को ट्रॉफी प्रदान की। पूरे आयोजन में खेल भावना, देशभक्ति और शहीद के प्रति सम्मान का अनूठा संगम देखने को मिला।

कामगार समाज के साथ अन्याय, रतनगढ़ में सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। प्रदेश में कामगार समाज के लोगों के साथ लगातार हो रही अन्याय और अत्याचार की घटनाओं के विरोध में कामगार समाज के बैनर तले मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी मिथलेश कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। कामगार समाज के अध्यक्ष हरिप्रसाद हर्षवाल के नेतृत्व में एकत्रित हुए समाज के लोगों ने विभिन्न घटनाओं पर रोष प्रकट करते हुए उचित कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि श्रीगंगानगर विधायक की ओर से कामगार समाज के अनुसूचित जाति के जेईएन के साथ मारपीट और बदसलूकी की गई। वहीं खैरथल तिजारा में विधायक महंत बालक नाथ की ओर से जेईएन को डांटने के बहाने कामगार समाज की जाति का अपमान किया गया, जिससे पूरे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। इसके अलावा चुरू जिले के रतनगढ़ जालेउ में दबंगों द्वारा कामगार समाज के एक परिवार के साथ मारपीट करने और चूरू जिले के ही रामसीसर भेडिवालिया गांव में कामगार समाज के मेघवाल जाति के एक व्यक्ति को आत्महत्या के लिए मजबूर करने जैसे गंभीर मामले सामने आए हैं। साथ ही रतनगढ़ के पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र कुमार बबेरवाल के घर पर हुई फायरिंग के मामले में मुख्य आरोपी पर तुरंत सख्त कार्रवाई करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की गई है। इन तमाम घटनाओं पर कोई ठोस कार्रवाई न होने से कामगार समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस दौरान संरक्षक श्रवण कुमार सोडा, मोहनलाल सैनी, राजलदेसर कामगार समाज अध्यक्ष जयचंद महावर, पवन मारू, फकीर चंद दानोदिया, भंवरलाल जसैल, वीरेंद्र कुमार बुनकर, गिरधारी लाल सैनी, सत्यनारायण सुथार, पूर्व पार्षद लालचंद पंवार, मेघवाल समाज अध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल, नितेश हर्षवाल, नंदलाल सैनी, शंकरलाल माली, महेश कुमार कोटवाल, गोविन्द पंवार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सोने-चांदी पर बढ़ाए गए आयात शुल्क के विरोध में सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। नेशनल ओबीसी वेलफेयर सोसायटी ऑफ इंडिया की ओर से सोमवार को राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सोने-चांदी पर केन्द्र सरकार की ओर से बढ़ाया गया आयात शुल्क वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि देश में करीब 3.50 करोड़ लोग आभूषण निर्माण व अन्य व्यवसाय से जुड़े है। इनमें स्वर्णकार समाज के अलावा ओबीसी वर्ग की अन्य जातियां व समाज के लोग शामिल है। इनमें छोटे दुकानदार, ज्वैलर, कारीगर व कामगार शामिल है। बीते एक साल से सोने-चांदी के भाव में पहले से ही बहुत उछाल आ रहा है, जिसके कारण उनका व्यापार पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। कई दुकानें तो बंद भी हो गई। ज्ञापन में बताया कि कारीगरों और मजदूरों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। अब केन्द्र सरकार ने 13 मई को सोने-चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक कर दिया है। इससे इनका रोजगार पूरी तरह बंद होने की कगार पर पहुंच जाएगा तथा स्वर्ण आभूषण का व्यापार भी चौपट हो जाएगा। आभूषण बंदी के कारण सुनार-स्वर्णकार समाज के साथ-साथ ओबीसी समाज की अन्य जातियों के करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए हैं और इनकी रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में सरकार को इस वर्ग के उत्थान के लिए आर्थिक पैकेज की घोषणा करनी चाहिए तथा बढ़ाया गया आयात शुल्क वापस लेना चाहिए। इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरधारीलाल तंवर, जिला महासचिव चंद्रमोहन सैनी, संरक्षक राधेश्याम स्वामी, संयोजक डॉ. अशोक जांगिड़, उपाध्यक्ष च्याणमल सैनी, कन्हैयालाल प्रजापत, प्रहलाद सोनी, सांवरमल सैनी, गिरधारीलाल सैनी, हेतराम सोनी, राजेन्द्र खंडवा, देवेन्द्र सैनी, बलदेव सोनी, आरीफ लिलघर, टोरूराम सैनी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

कटाणी रास्ता बंद करने व खेजड़ी पेड़ काटने के विरोध में ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। ढाणी कालेरान के ग्रामीणों ने कटाणी रास्ता खुलवाने, ग्रेवल सड़क तोड़ने तथा राज्य वृक्ष खेजड़ी को काटने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को उपखंड अधिकारी अमीलाल यादव को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि ढाणी कालेरान की रोही से ढाणी कालेरा होते हुए नगाणिया जोहड़ जाने वाले सरकारी कटाणी रास्ते पर ग्राम पंचायत की ओर से वर्ष 2018-19 में ग्रेवल सड़क का निर्माण करवाया गया था। निर्माण कार्य के दौरान इमरताराम ने मेट के रूप में कार्य किया था तथा उनकी पत्नी हेमी देवी श्रमिक के रूप में कार्यरत थीं। ग्रामीणों का आरोप है कि अब उक्त रास्ते पर बनी ग्रेवल सड़क को जगह-जगह से तोड़ दिया गया है तथा पत्थर की पट्टियां, लोहे के एंगल और तार लगाकर रास्ते को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इससे किसानों के खेतों तक आने-जाने का एकमात्र कटाणी रास्ता अवरुद्ध हो गया है, जिसके कारण किसानों को बुवाई सहित कृषि कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि खसरा संख्या 957 में सोलर प्लांट लगाने के लिए खेत में लगी राज्य वृक्ष खेजड़ियों को जेसीबी मशीन से रातों-रात काटकर नष्ट कर दिया गया। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।बग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खेत मालिक इमरताराम ने प्रशासन पर दबाव बनाने के उद्देश्य से पंचायत समिति और तहसील कार्यालय के बाहर अर्धनग्न प्रदर्शन किया तथा शिकायत वापस नहीं लेने पर मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी दी। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर रास्ता पुनः खुलवाने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कदम उठाने की मांग की है। इस दौरान मोती राम मण्डा, उदाराम मण्डा, बनवारी लाल सिगंड, रामुराम मण्डा, परमेश्वर लाल मण्डा आदि मौजूद रहे।

नेहरू पार्क में ही महापुरूषों की मूर्तियां लगाने को लेकर धरना जारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नगरपरिषद के बाहर चल रहा धरना लगातार 16 वें दिन भी सोमवार को जारी रहा। अजय ढ़ेनवाल के नेतृत्व में चल रहे धरने पर बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं ने भी शिरकत की। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप तोदी ने कहा कि गांधी चौक स्थित नेहरू पार्क में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू, पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया, स्वतंत्रता सेनानी पं. गिरीशचन्द्र मिश्र की मूर्तियां लगाए जाने की मांग को लेकर धरना दिया जा रहा है। लेकिन सोलह दिन बीत जाने के बाद भी कोई भी प्रशासनिक अधिकारी धरने पर आकर वार्ता नहीं कर रहा, जो दिखाता है कि किस प्रकार के अनुचित दबाव में अधिकारी काम कर रहे हैं। ब्लॉक अध्यक्ष ने महापुरूषों की मूर्तियों को गांधी चौक स्थित पार्क में स्थापित किए जाने की मांग सरकार से की। इस दौरान सभी लोगों ने मांगों के समर्थन में नारेबाजी भी की। इस दौरान अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष फारुख भुट्टा, ओबीसी कांग्रेस के बीकानेर सह प्रभारी बजरंग सेन, सुनीता रावतानी, निवर्तमान पार्षद मधु बागरेचा, विद्याप्रकाश बागरेचा, निवर्तमान पार्षद इकबाल खान कायमखानी, असलम मौलानी, तरुण सियोता, बिलाल भूट्टा, रामनिवास गुर्जर, कन्हैयालाल माली, रामावतार शर्मा, मदन सोनी, रेखाराम मेहरड़ा, नरेंद्र प्रजापत, रफीक, नथमल सहित अनेक लोगों ने शिरकत की।

देवगांव में 21 मई से सजेगा भक्ति का दरबार

श्री गुरु कृपा अखंड ज्वाला मारुति महायज्ञ का पोस्टर विमोचन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। लोहार्गल धाम सूर्य मंदिर में पीठाधीश्वर अवधेशानंद महाराज की ओर से देवगांव (नूंआं) स्थित सनमुख बालाजी धाम में आयोजित होने वाले 'श्री गुरु कृपा अखंड ज्वाला मारुति महायज्ञ' के पोस्टर का विमोचन किया गया। 21 मई से 29 मई तक आयोजित होने वाले इस नौ दिवसीय धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम मंत्री महेश बसावतिया ने बताया कि महायज्ञ भक्त शिरोमणि किशोर सिंह महाराज के सानिध्य में आयोजित होगा। शुभारंभ 21 मई को सुबह 8:15 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं मंगल कलश धारण कर शामिल होंगी। महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन रामलीला, सायंकाल रासलीला तथा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। 29 मई को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति होगी। आयोजन में यज्ञाचार्य के रूप में वेदाचार्य पं. वासुदेव शर्मा तथा रासाचार्य कृष्ण भारद्वाज अपनी सेवाएं देंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए विशेष कार्यकारिणी का गठन किया गया है। सनमुख बालाजी धाम विकास समिति ने श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

एक्यूप्रेशर और इलेक्ट्रोपैथी से मिलती है प्राकृतिक राहत: मनीषा सैनी

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। गोयनका चौक स्थित मां सावित्री देवी एक्यूप्रेशर एवं इलेक्ट्रोपैथी क्लिनिक में सोमवार को सेमिनार एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मरीज और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सेमिनार में संस्थान की प्रबंध निदेशक मनीषा सैनी ने कहा कि एक्यूप्रेशर और इलेक्ट्रोपैथी जैसी वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियां स्वास्थ्य और समग्र कल्याण के लिए लाभदायक हैं। उन्होंने बताया कि ये प्राकृतिक उपचार पद्धतियां शरीर की ऊर्जा को संतुलित कर विभिन्न बीमारियों से राहत दिलाने में सहायक होती हैं। उन्होंने कहा कि एक्यूप्रेशर एक प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जिसमें शरीर के विशेष बिंदुओं पर दबाव देकर उपचार किया जाता है। यह पीठ दर्द, सिरदर्द और पुराने दर्द जैसी समस्याओं में प्रभावी साबित हो रही है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई।

कामगार समाज कार्यकारिणी का विस्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के प्रजापति भवन में रविवार को हम कामगार समाज की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। जिसमें हम कामगार समाज के कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से बनवारी लाल जांगिड़ को अध्यक्ष, गंगाधर प्रजापत को सचिव, गंगाराम सुथार सह सचिव, उपाध्यक्ष जितेंद्र स्वामी, राजकरण सोनी, कोषाध्यक्ष सांवरमल कम्मा, ओम प्रकाश मेघवाल व सुमेरमल को संरक्षक मनोज दर्जी व घनश्याम भोजक को मीडिया प्रभारी बनाया गया।

नि:शुल्क नेत्र लैंस प्रत्यारोपण शिविर 24 को

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। द यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ़ की ओर से आगामी 24 मई को लालचंद टमकू देवी पाटनी की स्मृति में उनके पुत्रों भामाशाह प्रकाशचंद बिमल कुमार पाटनी व समस्त पाटनी परिवार के सौजन्य से नि:शुल्क नेत्र जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया जायेगा। क्लब के वरिष्ठ सदस्य ललित सोनी ने बताया कि शिविर में प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अपूर्व कोटिया द्वारा नेत्र रोगियों की नि:शुल्क जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया जाएगा तथा ऑपरेशन लायक रोगियों का चयन किया जाएगा। चयनित नेत्र रोगियों के नि:शुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण डॉ अपूर्व कोटिया की ओर से डॉ मोहन जैन आई हॉस्पिटल सुजानगढ़ में नि:शुल्क करवाए जाएंगे। सोनी ने बताया कि सोमवार को द यंग्स क्लब ट्रस्ट सभागार सुजानगढ़ में शिविर के पोस्टर व प्रचार सामग्री का विमोचन किया गया। इस अवसर पर डॉ एस के छाबड़ा, बिमल पाटनी, निर्मल बोकडिया, गोपाल चोटिया, ललित सोनी, कुणाल सोनी आदि उपस्थित रहे।

तहसील अध्यक्ष फारूक भूट्टा ने घोषित की कार्यकारिणी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। कुरेशी महासभा संस्थान के तहसील अध्यक्ष फारूक भूट्टा ने कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। संरक्षक सदस्य बिलाल, जाकिर हुसैन, अयूब ठेकेदार, रफीक, हमीद, फकीर मोहम्मद, सलीम को नियुक्त दी गई है। तहसील अध्यक्ष फारूक भूट्टा ने बताया कि उपाध्यक्ष पद पर गुलाब नब्बी, रमजान, आरिफ, इमरान को नियुक्ति दी गई है। इसी प्रकार जनरल सेक्रेटरी पद पर सद्दाम, शकील, आरिफ, रब्बानी को नियुक्ति दी गई है। जबकि कोषाध्यक्ष पद पर जाकिर, सचिव पद पर शाहरूक, उप सचिव शकील, वसीम, सत्तार, रफीक को बनाया गया है। संयुक्त सचिव इमरान कुरैशी, साबिर, इरफान, जाकिर, प्रवक्ता रशीद व्यापारी, उप प्रवक्ता शकील, मीडिया प्रभाग में जाहिद, शाहिद, शोसल मीडिया में मुहम्मद रफीक को जिम्मेदारी दी गई है।

शाम के समय में खुलने लगा है पार्क

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। गांधी चौक स्थित नेहरू पार्क शाम के समय में आमजन के लिए खुलने लगा है। जानकारी के अनुसार तीन-चार दिन से ये पार्क रोज शाम को सात बजे लेकर रात के नौ बजे तक खोला जा रहा है। गार्ड से बात करने पर उन्होंने बताया कि अभी शाम के दो घंटे पार्क खोलने के लिए कहा गया है। दूसरी ओर पार्क के खुलने से लोगों को गांधी चौक में ही सुंदर कृत्रिम झरने का लुत्फ मिल रहा है। अनेक लोग झरने और पार्क की मूर्तियों के साथ सेल्फी लेते भी नजर आए। पार्क में भगवान शंकर, महर्षि दधिचि का फव्वारे के उपर मूर्तियां भी स्थापित की गई हैं। बता दें कि इसी पार्क में महापुरूषों की मूर्तियां स्थापित किए जाने की मांग को लेकर नगरपरिषद के बाहर अजय ढ़ेनवाल की टीम की ओर से धरना दिया जा रहा है।

राजलदेसर बालिका स्कूल में अभिरूची व समाज सेवा शिविर शुरू

राजलदेसर(निस)। पीएम श्री श्री यूनियन क्लब राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय राजलदेसर में सोमवार से 15 दिवसीय अभिरूची शिविर एवं समाज सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का आयोजन 18 मई से 1 जून तक किया जाएगा। प्रधानाचार्य मोहन सिंह के निर्देशन में आयोजित शिविर के उद्घाटन अवसर पर विद्यालय स्टाफ, अभिभावक एवं एसडीएमसी सदस्य मौजूद रहे।

पर्यावरण प्रेमी मनोहरी प्रजापत की पुण्यतिथि पर किया पौधरोपण, लगाए परिंडे

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। गांव घांघू की पर्यावरण प्रेमी मनोहरी प्रजापत की प्रथम पुण्यतिथि पर सोमवार को श्रीबैकुंठ मुक्तिधाम घांघू में उनके परिजनों व ग्रामीणों की ओर से पौधरोपण कर पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाए गए। पौधारोपण का शुभारंभ बड़ का पौधा लगाकर किया गया। इस अवसर पर बड़, शीशम सहित अन्य छायादार पौधे लगाए गए। मनोहरी प्रजापत पर्यावरण प्रेमी एवं जीवों और पशुओं के लिए हमेशा दयाभाव रखकर सेवा करने वाले व्यक्तित्व की धनी थी। इस मौके पर समाजसेवी महावीर नेहरा ने कहा कि हमें पर्यावरण की शुद्धता के लिए एवं असंतुलित हो रहे मौसम तापांतर को सही करने का महत्वपूर्ण विकल्प पौधारोपण करना ही है। उन्होंने कहा कि इस गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाकर उनके लिए पानी की व्यवस्था करना मानवीय धर्म है हमें यह अवश्य करना चाहिए।
समाज सेवी परमेश्वर लाल दर्जी ने कहा कि हमें अपने बुजुर्गों की पुण्य स्मृति में पौधारोपण करना, पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाना व अन्य सेवा कार्य अवश्य करने चाहिए। उन्होंने मनोहरी प्रजापत के परिजनों को पौधारोपण व पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाने जैसे पुनीत कार्य के लिए साधुवाद दिया। मनोहरी प्रजापत के पुत्र कार्यक्रम संयोजक बीरबल नोखवाल ने बताया कि माताजी की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित पौधारोपण का यह कार्यक्रम आज से लगातार इस संपूर्ण मानसून सत्र में गांव के सार्वजनिक स्थानों पर जारी रहेगा। पक्षियों के लिए परिंडो में पानी की व्यवस्था ग्रीष्म अवकाश में लगातार जारी रहेगी। इस अवसर पर शिक्षाविद मुरारी लाल दर्जी, अध्यापक ताराचंद नोखवाल, अमित प्रजापत, शीशपाल धानक, रजनीश प्रजापत, आर्या नेहरा, सुनील कुमार, दिनेश ने पौधारोपण किया।

तरबूज से झाग निकलने का वीडियो वायरलः स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

राजलदेसर पहुंच खाद्य सुरक्षा टीम ने लिया सैंपल

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में तरबूज से संदिग्ध झाग निकलने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सा विभाग ने तुरंत जांच शुरू कर दी। विभागीय कार्रवाई के बाद फल विक्रेताओं और मिलावटखोरों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें एक तरबूज से लगातार झाग निकलता दिखाई दे रहा था। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में दहशत और आशंका का माहौल बन गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने तुरंत संज्ञान लेते हुए विशेष खाद्य सुरक्षा टीम का गठन कर जांच के निर्देश दिए। सीएमएचओ के आदेश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतनलाल गोदारा अपनी टीम के साथ राजलदेसर पहुंचे। टीम ने सबसे पहले उपभोक्ता मनोज कुमार शर्मा के घर पहुंचकर उस संदिग्ध तरबूज का निरीक्षण किया, जिससे झाग निकलने की शिकायत सामने आई थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने तरबूज की बारीकी से जांच करने के बाद नियमानुसार उसका सैंपल जब्त कर लिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतनलाल गोदारा ने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि संदिग्ध तरबूज का सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट करीब 15 से 20 दिनों में आने की संभावना है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि झाग निकलने के पीछे क्या कारण थे और उसके आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई के बाद कस्बे में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। आमजन ने भी विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए बाजार में बिक रहे फलों और खाद्य सामग्री की नियमित जांच की मांग उठाई है।

बाबा साहेब की प्रतिमा को लेकर प्रदेश प्रवक्ता कुलदीप ने विधायक पर लगाए आरोप

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(निस)। नगर परिषद के सामने विभिन्न मांगों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का धरना 16वें दिन भी जारी रहा। इसी बीच भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता बाबूलाल कुलदीप ने प्रेस वार्ता कर विधायक और कांग्रेस नेताओं पर जमकर निशाना साधा। कुलदीप ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल में नगर परिषद सभापति और विधायक की ओर से विकास कार्यों के नाम पर भ्रष्टाचार किया गया। उन्होंने कहा कि नगर परिषद की बैठक में 24 फरवरी 2022 को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर, महाकवि कन्हैयालाल सेठिया और पूर्व मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल की प्रतिमाएं एक साथ लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि तीनों प्रतिमाओं का प्रस्ताव होने के बावजूद विधायक मनोज मेघवाल ने आयुक्त पर दबाव बनाकर 14 अगस्त 2023 को केवल अपने पिता स मास्टर भंवरलाल मेघवाल की प्रतिमा पुराने बस स्टैंड पर लगाने का प्रस्ताव जिला कलेक्टर को भिजवाया, जिसे बाद में खारिज कर दिया गया। कुलदीप ने कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमा की अनदेखी करना निंदनीय है और विधायक को जनता से माफी मांगनी चाहिए।
प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता इस प्रकार के प्रयासों का विरोध करेंगे और तीनों प्रतिमाएं एक साथ लगाए जाने की मांग करते रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।
वहीं विधायक मनोज मेघवाल ने आरोपों को लेकर कहा कि वर्ष 2022 में बोर्ड से तीनों प्रतिमाओं का प्रस्ताव पारित हुआ था और तीनों मूर्तियां एक साथ लगनी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुराने बस स्टैंड पर प्रस्तावित प्रतिमा का मामला अलग है और उसके लिए अलग फाइल चलाई गई थी। विधायक ने कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमा समाज की ओर से लगाई जाएगी और वह निश्चित रूप से स्थापित होगी।

दवा व्यापारियों का देशव्यापी बंद कल, ज्ञापन सौंपा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। अवैध ई-फार्मेसी के संचालन और बड़े कॉरपोरेट्स की मनमानी नीतियों के विरोध में आगामी 20 मई को देशभर की दवा दुकानें बंद रहेंगी। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आह्वान पर आयोजित इस एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी बंद के समर्थन में सुजानगढ़ केमिस्ट एसोसिएशन ने ए.डी.एम को ज्ञापन सौंपकर हस्तक्षेप की मांग की है। ऑनलाइन दवाओं की अनियंत्रित बिक्री से बिना पर्चे की दवाएं और नकली दवाओं का खतरा बढ़ रहा है, जिससे जनस्वास्थ्य संकट में है। ज्ञापन में कॉरपोरेट्स की नीतियों का विरोध जताया गया है, क्योंकि बड़े कॉरपोरेट्स की ओर से अत्यधिक छूट देकर छोटे केमिस्टों को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। इसी प्रकार पुरानी अधिसूचनाओं की वापसी कोविड काल में लागू की गई आपातकालीन अधिसूचना को वापस लिए जाने की मांग भी की गई है। दवा विक्रेताओं ने चेतावनी दी है कि सरकार की अनदेखी के कारण देश के 12.40 लाख दवा व्यापारियों और उनसे जुड़े 5 करोड़ लोगों की आजीविका दांव पर लगी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान चूरू जिला केमिस्ट एसोसिएशन के जिला सचिव अनिल कुमार शर्मा, सुजानगढ़ केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष भोमाराम बिजारणियां, सचिव सुमनेश शर्मा, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम सारड़ा, रावताराम कालेर शंकर स्वामी, जितेंद्र सर्राफ, लक्ष्मीकांत गुर्जर, राहुल जैन, बजरंग रांकावत, अमित जैन, विशाल बाजिया, रामावतार खंडेलवाल सहित कई केमिस्ट पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनसहयोग से बढ़ रही गौ सेवा गतिविधियां

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। श्री राम गौशाला सेवा समिति कोलीवाड़ा में गौसेवा गतिविधियों के तहत सोमवार को गौमाता के लिए हरे चारे से भरी ट्रॉली भेंट की गई। गौभक्त ओमप्रकाश मोहनलाल भाटी की ओर से चारे की ट्रॉली गौशाला पहुंचने पर समिति सदस्यों और उपस्थित लोगों ने गौमाता के जयकारों के साथ स्वागत किया। इस दौरान घिसीबाई व सुआ देवी शर्मा परिवार, बलवना की ओर से गौसेवा के लिए 81 हजार रुपए की राशि भेंट की गई। समिति पदाधिकारियों ने भामाशाह परिवार का आभार जताते हुए कहा कि जनसहयोग से गौशाला में चारा, पानी और चिकित्सा जैसी व्यवस्थाओं को और मजबूत किया जा रहा है। गौशाला समिति अध्यक्ष धीरज सांखला ने कहा कि गौसेवा अभियान में लगातार लोगों की भागीदारी बढ़ रही है। उपाध्यक्ष रवि भाई अग्रवाल व कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पुरोहित की मौजूदगी में गौशाला व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान गौवंश की देखभाल और आवश्यक सुविधाओं को लेकर चर्चा की गई। समिति पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक लोगों से गौसेवा अभियान से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में गौभक्तों व ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

झुंझुनूं में 613 जगहों पर दबिश, 112 आरोपी गिरफ्तार

77 पुलिस टीमों की संयुक्त कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं पुलिस ने 16 और 17 मई को पूरे जिले में दो दिवसीय विशेष 'एरिया डोमिनेशन अभियान' चलाया। इस महाअभियान में झुंझुनूं पुलिस के 334 जवानों और अधिकारियों को शामिल किया गया। एसपी कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि पुलिस ने कुल 77 टीमें गठित कीं, जिन्होंने जिले के अलग-अलग इलाकों में कुल 613 संदिग्ध स्थानों और अपराधियों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दी। पुलिस टीमों ने अलग-अलग मामलों में वांछित कुल 50 आरोपियों और वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 6 इनामी अपराधी, 6 स्थाई वारंटी, 19 वारंटी समेत कई अपराधियों को गिरफ्तार किया।
गांजा और अवैध शराब जब्तः
अभियान के दौरान पुलिस ने नशे के सौदागरों और अवैध शराब बेचने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की। ?नशीले पदार्थ में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 134 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत 1 मामला दर्ज कर 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आबकारी अधिनियम के तहत कुल 11 मामले दर्ज किए गए और 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से 425 पव्वे देशी शराब और 1 लीटर हथकड़ शराब बरामद की। अन्य 2 मामले दर्ज कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, जिले में शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में पुलिस ने 52 लोगों को हिरासत में लिया। इस प्रकार दो दिनों के भीतर पुलिस ने कुल 112 लोगों को गिरफ्तार किया।

झुंझुनूं में अतिक्रमण हटाने पहुंची ट्रैफिक पुलिस का विरोध

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। हाउसिंग बोर्ड इलाके में सोमवार को ट्रैफिक पुलिस की ओर से चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान हंगामे की स्थिति बन गई। पुलिस ने दुकानों के बाहर लगे अवैध साइन बोर्ड और सड़क पर रखे सामान को हटाने की कार्रवाई की, जिसका कुछ स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने विरोध किया। ट्रैफिक इंचार्ज राधेश्याम सांखला ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड मार्केट में लगातार ट्रैफिक जाम की शिकायतें मिल रही थीं। दुकानदार सड़क पर सामान और बोर्ड रख देते हैं, जिससे आमजन को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि पहले भी कई बार माइक से चेतावनी और समझाइश दी गई थी, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद एडिशनल एसपी देवेंद्र राजावत के निर्देशन में कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान नो-पार्किंग में खड़ी गाड़ियों के चालान भी काटे गए। वहीं स्थानीय निवासी जयपाल सिंह ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि पूरे शहर में दुकानों के बाहर बोर्ड लगे हैं, लेकिन पुलिस केवल चुनिंदा जगहों पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि बिना पूर्व सूचना सीधे बोर्ड हटाए गए और विरोध करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने की चेतावनी दी। घटना के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय लोग एकत्र हो गए। पुलिस और व्यापारियों के बीच काफी देर तक बहस होती रही।

नीट पेपर लीक के विरोध में झुंझुनूं में छात्रों का प्रदर्शन, एनटीए पर बैन की मांग

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर सोमवार को झुंझुनूं में छात्र संगठनों का आक्रोश देखने को मिला। एसएफआई और डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर परीक्षा एजेंसी एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन कर रहे छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि 3 मई 2026 को हुई नीट परीक्षा का पेपर लीक होना एनटीए की बड़ी विफलता है। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र पूरे वर्ष मेहनत कर परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाओं से उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। छात्र संगठनों ने केंद्रीय उच्च शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने, एनटीए पर प्रतिबंध लगाने, पेपर लीक में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और भविष्य में पारदर्शी व निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली लागू करने की मांग उठाई। प्रदर्शन में एसएफआई तहसील महासचिव आकाश धायल, डीवाईएफआई महासचिव योगेश कटारिया, छात्र प्रतिनिधि शोभचंद्र, अमित सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

87 मरीजों की निशुल्क नेत्र जांच, दवाईयां वितरण

सरदारशहर(निस)। शहर में लायंस क्लब डायमंड व अंधता निवारण समिति जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क नेत्र जांच व दवाई वितरण शिविर तीजादेवी पत्नी लूणारामज व भंवरीदेवी पत्नी पीरदान सोनी पेशकार की स्मृति में लायन हंसराजजी सोनी, संजय, रामप्रताप, शिवप्रताप के स्थानीय सौजन्य से अर्जुन क्लब राजकीय चिकित्सालय में लगाया गया। मीडिया प्रभारी लायन अंजना भोजक ने बताया कि शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर के नेत्ररोग विशेषज्ञ पवन चौधरी ने 10 मई को ऑपरेशन किये गये 87 मरीजों की जांच कर उन्हे दवाईयां वितरण की। शिविर को सफल बनाने में सचिव लायन सुशील भोजक, लायन अनिल गोयल, देव चंद सोनी, डॉ पूनमचंद भाटी, महेंद्र निर्वाण, मुबारक तुगलक, फूसराम स्वामी ने सहयोग किया।

कार्यालय नगरपरिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

क्रमांक : न.प.सु/भूमि शाखा / 2026/1187 दिनांक 18-05-2026

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे अंकित निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा कृषि भूमि नियमन के अन्तर्गत पट्टा नियमन हेतु आवदेन किया हुआ है। उक्त के सम्बंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो, आपत्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत करे 7 बाद मियाद गुजरने पश्चात् किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और इकतरफा कार्यवाही की जावेगी ।

कसं.	आवेदक का नाम व पता	कस्बा	ख. नं.	क्षेत्रफल वर्गमीटर	आवासीय / व्यावसायिक
01.	श्रीमती वीणा देवी पारीक पत्नी श्री श्रवण	सुजानगढ़ ग्रामीण	1215	149.57	आवासीय
02.	श्री राजेंद्र प्रसाद व्यास पुत्र श्री माणिक चंद	सुजानगढ़	1472	433.79	आवासीय

आयुक्त
नगरपरिषद सुजानगढ़